www.tamsasanket.com
वर्षः 30 || अंक 310 || अम्बेडकरनगर
गुरुवार
05 फरवरी 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 06:50
सूर्यास्तः 05:50
अधिकतमः 22°00
न्यूनतमः 11°00

पेज 07

विशेष समाचार — कैसे बचेगा मेडिकल... >> पेज 04 | शराब की दुकानों पर 100... >> पेज 06 | म्यूजिक राइट कंट्रोवर्सी पर...

पहली बार मुख्यमंत्री बनीं खुद वकील, सुप्रीम कोर्ट में पेश होकर लड़ी केस

ममता ने रचा इतिहास

“एसआईआर पर ममता बोलीं- ईसी बंगाल को निशाना बना रहा, नाम मिसमैच पर दिए नोटिस वापस लिए जाएं, पहली बार किसी सीएम ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी”

तृणमूल कांग्रेस की संस्थापक ममता बनर्जी साहित्य और कला के क्षेत्र में काफी सक्रिय रही हैं। वह कविता, कहानी, निबंध और राजनीतिक लेखन के साथ-साथ पेंटिंग और गीत लेखन के लिए भी जानी जाती हैं, जिनकी कृतियां देश और विदेश में प्रदर्शित हो चुकी हैं।

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/कोलकाता । सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) मामले पर सुनवाई की। जहां राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी वकीलों के साथ मौजूद रहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल चुनाव आयोग के निशाने पर है। जो काम 2 साल में होना था, उसे 3 महीने में करवाया जा रहा है। सुनवाई के बाद CJI सूर्यकांत की बेंच ने कहा कि असली लोग चुनावी सूची में बने रहने चाहिए। ममता की याचिका पर बेंच ने चुनाव आयोग और पश्चिम बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी से 9 फरवरी तक जवाब मांगा। सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में यह पहला मौका था जब किसी राज्य के मौजूदा मुख्यमंत्री ने कोर्ट में पेश होकर अपनी दलीलें रखीं। मुकदमों में आमतौर पर मुख्यमंत्रियों के वकील या सलाहकार ही पेश होते हैं। इलेक्शन कमीशन ने कहा- राज्य सरकार से बार-बार मांग करने के बाद SIR के काम के लिए पर्याप्त ग्रुप बी अधिकारी नहीं दिए गए।

>> (शेष पेज 06 पर)

ममता की दलीलें

- चुनाव से पहले 2 महीने में ऐसा कुछ करने की कोशिश की जा रही है, जो 2 साल में होना था। खेतीबाड़ी के मौसम में लोगों को परेशान किया जा रहा है।
- 24 साल बाद इसे 3 महीने में पूरा करने की जल्दबाजी क्यों है। 100 से ज्यादा लोगों की जान चली गई है। ECI की प्रताड़ना के चलते BLO की जान जा रही है।

  बंगाल को निशाना बनाया जा रहा है। असम और नॉर्थ ईस्ट में ऐसा क्यों नहीं हो रहा।

  SIR प्रक्रिया वोटर्स को शामिल करने नहीं बल्कि हटाने के लिए हो रही है। अब तक 58 लाख लोगों के नाम हटाए जा चुके हैं।
- भाजपा ने माइक्रो ऑब्जर्वर नियुक्ति किए, जो BLO अधिकारों को दरकिनार करते हुए नाम हटा रहे हैं। नाम मिस मैच पर दिए गए नोटिस वापस लिए जाएं।
- सर बेटी शादी के बाद ससुराल जाती है, वह पति का टाइटल इस्तेमाल कर रही है, यह भी मिसमैच है। कुछ बेटियां जो ससुराल चली गईं, उनके नाम भी डिलीट कर दिए गए।

ममता के पास एलएलबी की डिग्री, आवेदन में कहा- एससी के तौर-तरीके समझती हूं

ममता बनर्जी के इलेक्शन एफिडेविट के अनुसार उन्होंने 1979 में कोलकाता यूनिवर्सिटी से MA करने के बाद, जोगेश चंद्र चौधरी कॉलेज (कोलकाता) में LLB कोर्स में एडमिशन लिया था। 1982 में उनका LLB पूरा हो गया था। मुख्यमंत्री ने व्यक्तिगत रूप से पेश होने और बहस करने की अनुमति मांगने के लिए एक अंतरिम आवेदन भी दायर किया है। अपने आवेदन में ममता ने कहा है कि आर्टिकल 32 रिट में याचिकाकर्ता होने के नाते वह मामले से पूरी तरह वाकिफ हैं। वे कहती हैं कि पश्चिम बंगाल की CM और TMC अध्यक्ष होने के नाते वह SC के तौर-तरीकों को समझती हैं और स्थापित नियमों के अनुसार ही व्यवहार करेंगी।

“देश के इतिहास में पहला ऐसा मौका है जब एक मुख्यमंत्री एक वकील की हैसियत से सुप्रीम कोर्ट में केस लड़ने खड़ी हो गयी। ममता बनर्जी की दलीलों के आधार पर माननीय न्यायालय ने अगली सुनवाई 9 फरवरी रखी है।

क्या इतिहास लिख दिया ममता ने ?

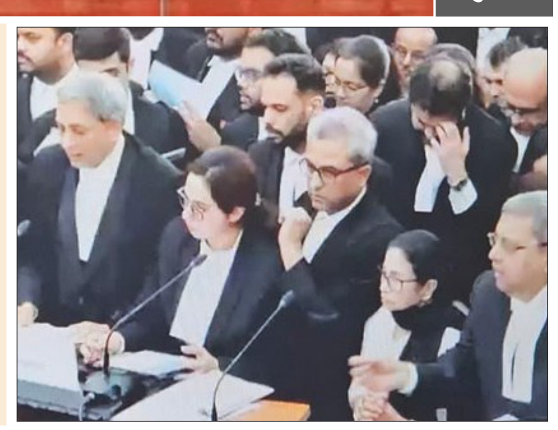

एसआईआर के विरोध में ममता ने 26 कविताओं की किताब लिखी

ममता बनर्जी ने SIR के खिलाफ विरोध का एक अलग तरीका अपनाया है। उन्होंने इस मुद्दे पर आधारित 26 कविताओं की एक किताब लिखी है। दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने दावा किया कि उन्होंने यह किताब यात्रा के दौरान सिर्फ तीन दिनों में लिखी। उन्होंने कहा कि उनके नाम अब तक 163 किताबें प्रकाशित हो चुकी हैं। ममता बनर्जी ने यह भी कहा कि वह न तो पूर्व सांसद के रूप में पेंशन लेती हैं और न ही मुख्यमंत्री के रूप में वेतन, बल्कि किताबों और अन्य रचनात्मक कार्यों से मिलने वाली रॉयल्टी से अपने निजी खर्च चलाती हैं।

अखिलेश यादव ने कैंसर दिवस पर किया भाजपा सरकार पर हमला

समाजवादी सरकार में गंभीर बीमारियों का मुफ्त इलाज

तंज

तमसा संकेत, एजेंसी

भाजपा ने इंस्टीट्यूट का नाम बदला और व्यवस्थाएँ बर्बाद कीं

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने आज कैंसर दिवस के अवसर पर कहा है कि कैंसर गंभीर बीमारी है। जिसका इलाज काफी महंगा है। श्री अखिलेश यादव ने अपने मुख्यमंत्रित्वकाल में गंभीर बीमारियों कैंसर, लीवर, हार्ट तथा किडनी के इलाज की मुफ्त व्यवस्था की थी। समाजवादी सरकार में ही राजधानी लखनऊ में कैंसर इंस्टीट्यूट की स्थापना की गई थी। यहां विश्वस्तरीय इलाज का इंतजाम होना था। लेकिन भाजपा सरकार ने आते ही पहले तो इंस्टीट्यूट का नाम बदला और वहां की व्यवस्थाओं को बर्बाद कर दिया। आज कैंसर इंस्टीट्यूट दुर्दशाग्रस्त है। अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पुरुशों में होनेवाले कैंसर में लगभग 54 प्रतिशत कैंसर का कारण यदि नशा है तो हर तरह के नशे के ख़िलाफ़ सरकार को अभियान चलाना चाहिए।

>> (शेष पेज 06 पर)

पहली बार 83 हिमालयी चोटियां सभी के लिए खुलीं

विदेशियों को 80 हजार तक की छूट

निर्णय

तमसा संकेत, एजेंसी

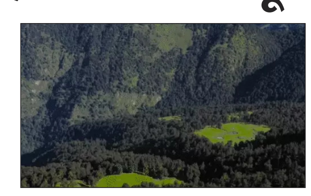

उत्तराखंड की उच्च हिमालयी चोटियां जहां अब कम फीस में पहुंचा जा सकता है भारतीयों के लिए फीस शून्य

देहरादून । उत्तराखंड सरकार ने साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए गढ़वाल और कुमाऊं हिमालय की 83 प्रमुख पर्वत चोटियों को पहली बार सभी पर्वतारोहियों के लिए खोल दिया है। इस फैसले के साथ भारतीय पर्वतारोहियों को इन चोटियों पर चढ़ाई के लिए लगने वाली सभी सरकारी फीस पूरी तरह माफ कर दी गई है, जिससे अब पर्वतारोहण पहले की तुलना में आसान और सस्ता हो गया है।

इस फैसले के बाद लोगों के मन में कई सवाल हैं- इन 83 चोटियों में से सबसे खास कौन-सी हैं, किन चोटियों पर जाना आसान है और किन पर चढ़ाई के लिए ज्यादा अनुभव चाहिए। यह जानना भी जरूरी है कि अलग-अलग चोटियों तक पहुंचने के रास्ते क्या हैं और वहां चढ़ाई की खासियत क्या है।

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

राहुल ने नरवणे की किताब दिखाई

नई दिल्ली। आर्मी चीफ एमएम नरवणे की जिस किताब को लेकर संसद में दो दिन से हंगामा हो रहा है। राहुल गांधी किताब लेकर संसद पहुंचे। कहा कि अगर आज पीएम आए तो उन्हें यह किताब दूंगा। राहुल ने किताब का वह पेज खोलकर दिखाया, जिसमें लिखा है कि प्रधानमंत्री ने आर्मी चीफ से कहा था- जो उचित समझो वह करो।

सतर्क सचेत

मोबाइल गेमिंग की लत के शिकार स्टूडेंट ने लगाई फांसी

भोपाल । भोपाल में मोबाइल गेमिंग की लत के चलते 14 साल के स्टूडेंट ने खुदकुशी कर ली। परिजन को आशंका है कि ऑनलाइन गेम में दिए गए टास्क को पूरा करने के लिए बच्चे ने आत्मघाती कदम उठाया। फिलहाल, पुलिस जांच में जुटी है।

मामला पिपलानी थाने की श्रीराम कॉलोनी का है। यहां रहने वाले 14 वर्षीय अंश साहू ने सोमवार दोपहर अपने घर में फांसी लगा ली। 8वीं क्लास में पढ़ने वाला अंश अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। माता-पिता प्राइवेट स्कूल में टीचर हैं।

मुंबई में लिफ्ट में फटे गैस से भरे गुब्बारे

मुंबई । मुंबई की एक बिल्डिंग की लिफ्ट में बुधवार को गुब्बारे फटने से आग लग गई। लिफ्ट में पहले एक महिला और फिर एक व्यक्ति गुब्बारे लेकर घुसता है। इसके बाद अचानक से गुब्बारों में ब्लास्ट हो जाता है। पुलिस ने बताया कि आग से आदमी और महिला को चोटें आई हैं। उन्होंने बताया कि गुब्बारे बेचने वाले के खिलाफ केस भी दर्ज किया गया है।

एमपी-यूपी, बिहार समेत 7 राज्यों में सुबह घना कोहरा

गुलमर्ग-पहलगाम में पारा माइनस में

अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में एवलांच का हाई अलर्ट

भोपाल/लखनऊ/ जयपुर/ शिमला/ देहरादून । देश के उत्तरी राज्यों पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, यूपी, बिहार, उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में मौसम लगातार सर्द बना हुआ है। बर्फबारी के बाद उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर के सभी जिलों में तापमान 10 डिग्री से नीचे रिकॉर्ड किया गया। मैदानी राज्यों में उत्तर से आनी वाली हवाओं ने फिर से सर्दी बढ़ा दी है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब-चंडीगढ़, हरियाणा दिल्ली में सुबह से घना कोहरा छाया रहा। सुबह 6.30 बजे आदमपुर, अंबाला, कानपुर, बरेली, प्रयागराज, ग्वालियर में विजिबिलिटी जीरो रही। मौसम विभाग ने उत्तराखंड के पिथौरागढ़ एवलांच का हाई अलर्ट जारी किया है। विभाग का कहना है कि नालों और ढलान वाले क्षेत्रों में भारी मात्रा में बर्फ जमा होने से एवलांच का खतरा बढ़ गया है।

>> (शेष पेज 06 पर)

शाम 5 बजे भाषण से पहले विपक्षी महिला सांसदों ने प्रधानमंत्री की खाली कुर्सी घेरी

लोकसभा में पीएम मोदी की स्पीच टली

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के आरोपों पर जेपी नड्डा ने राज्यसभा में कहा कि अमेरिका ट्रेड डील में किसानों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, लिखित में कहा जा चुका है। तब भी आप बार बार किसानों के मुद्दे पर सवाल उठा रहे हैं।

घेराव

तमसा संकेत, एजेंसी

- **भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने गांधी परिवार-कांग्रेस पर लिखी किताबें कोट कीं।**
- **निशिकांत दुबे ने बोफोर्स गेट समेत अन्य किताबों को कोट किया है।**

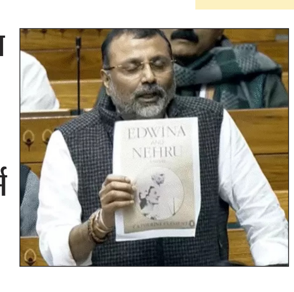

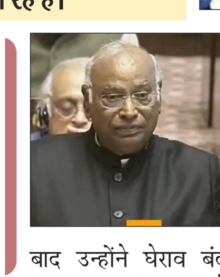

नई दिल्ली । विपक्षी सांसदों के लगातार हंगामे के चलते बुधवार को लोकसभा की कार्यवाही 4 बार स्थगित हुई। शाम 5 बजे प्रधानमंत्री धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब देने वाले थे, लेकिन विपक्ष की महिला सांसदों के हंगामे के चलते स्पीकर संध्या राय ने कार्यवाही कल तक स्थगित कर दी। इससे पीएम नरेंद्र मोदी का संबोधन टल गया। शाम 5 बजे जब सदन की कार्यवाही शुरू हुई, तब विपक्ष की महिला सांसदों ने सत्ताधारी नेताओं की कुर्सियां घेर लीं। इनमें पीएम मोदी की कुर्सी भी थी। महिला सांसदों के हाथ में बड़े बैनर थे, जिन पर लिखा था- जो सही है, वो करो। ये सांसद मंगलवार को हंगामे के बाद 8 विपक्षी सांसदों के निलंबन का विरोध कर रही थीं। हंगामे के चलते स्पीकर ने कार्यवाही स्थगित कर दी। कुछ मंत्रियों ने विपक्षी सांसदों से जाने को कहा, इसको बाद उन्होंने घेराव बंद किया। संसद में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के ऑफिस में विपक्ष और बीजेपी सांसदों के बीच भी बहस हुई है।

>> (शेष 06 पर)

खड़गे बोले- भाजपा सरकार ने देश की हालत खराब कर दी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में कहा- भाजपा सरकार ने देश की हालत बहुत खराब कर दी है। देखना होगा आने वाले दिनों में क्या होती है। 6062 शब्दों का भाषण इस सरकार ने तैयार करवाया है। पर कई अहम सवालों पर अभिभाषण मौन है।

मैं सदन में पांच जरूरी मुद्दे रखना चाहता हूं, जिन पर बात नहीं हुई।

- **सामाजिक न्याय**
- **सामाजिक सद्भाव**
- **संसदीय लोकतंत्र पर हमला**
- **अर्थव्यवस्था, किसान-मजदूरों की दिक्कतें**
- **विदेश नीति की खामियां**

हड़कंप : उम्र 12-14-16 साल, सुसाइड नोट में लिखा- सॉरी मम्मी-पापा, गेम नहीं छोड़ पाएंगे

मोबाइल गेम की लत : तीन बहनें 9वीं मंजिल से कूदीं

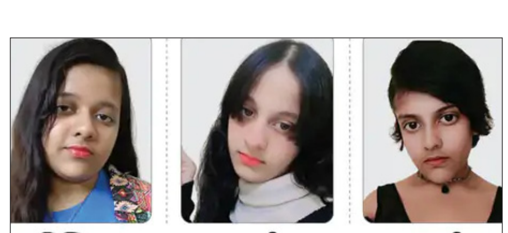

निशिका (16 साल) | प्राची (14 साल) | पाखी (12 साल)

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद । गाजियाबाद में तीन सगी बहनों ने नौवीं मंजिल की बालकनी से कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के मुताबिक, मंगलवार रात 2 बजे तीनों ने कमरे को अंदर से बंद किया, फिर स्टूल रखकर एक-एक करके बालकनी से छलांग लगा दी।

उनकी उम्र करीब 12, 14 और 16 साल है। पिता के मुताबिक, तीनों बेटियों को टास्क-बेस्ड कोरियन लव गेम की लत थी। वे हर वक्त एक साथ रहती थीं। एक साथ नहाती थीं और टॉयलेट जाती थीं। इस कदर गेम की लत थी कि स्कूल भी छोड़ दिया था।

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा है कि पिता ने उन्हें गेम खेलने से मना किया और फटकार लगाई। >> (शेष पेज 06 पर)

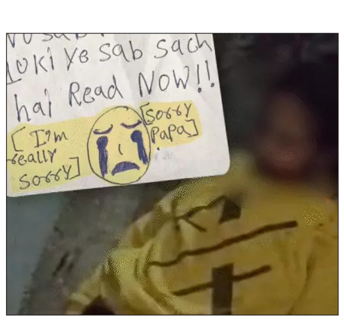

पिता ने दो शादियां कीं, शेयर ट्रेडिंग का काम करते हैं

तीनों बच्चियों के नाम निशिका (16), प्राची (14) और पाखी (12) हैं। पिता चेतन गुर्जर ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग का काम करते हैं। वह मूल रूप से दिल्ली के खजूरी के रहने वाले हैं। परिवार में 2 पत्नी, 7 साल का बेटा और चार बच्चियां थीं। साथ में साली भी रहती है। चेतन ने दो शादियां की हैं। पहली पत्नी से बच्चे नहीं होने पर उन्होंने उसकी बहन यानी साली से दूसरी शादी की।

>> (शेष पेज 06 पर)

पुलिस बोली- बच्चियां 80 फीट की ऊंचाई से कूदी थीं

घरवालों ने बताया- बेटियों ने पहले कमरे का दरवाजा अंदर से बंद किया, फिर कूद गईं। हम लोग आवाज सुनकर दौड़े। देखा तो कमरा बंद था। इसके बाद दरवाजा तोड़ा गया। देखा तो बेटियां वहां नहीं थीं। फिर दौड़कर नीचे पहुंचे। देखा तो बेटियां नीचे पड़ी हुई थीं।

SP अतुल कुमार सिंह ने बताया- पुलिस को रात 2:18 बजे सूचना मिली, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची।

>> (शेष पेज 06 पर)

‘बीच वाली बेटी टास्क देती थी, बाकी दोनों बात मानती थीं’

चेतन कहते हैं, “कभी हम उनके कमरे में चले जाते तो वहां से तीनों दूसरे कमरे में चली जाती थीं। बेटी प्राची गेम में डेथ कमांडर की भूमिका निभाती थी। वह दोनों को टास्क देती थी। दोनों बेटियां उसकी हर बात मानती थीं। तीनों बेटियां हर वक्त एक साथ रहती थीं। एक साथ ही टॉयलेट जाती थीं। नहाती भी साथ ही थीं।”

युमनाम खेमचंद मणिपुर के बने 13वें मुख्यमंत्री

मैतेई सीएम के साथ नगा समुदाय से लोसी

शपथ

तमसा संकेत, एजेंसी

कुकी से नेमचा डिप्टी सीएम 356 दिन बाद राष्ट्रपति शासन हटा

नई दिल्ली । भाजपा नेता युमनाम खेमचंद सिंह मणिपुर के 13वें मुख्यमंत्री बने हैं। राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने बुधवार शाम को इम्फाल स्थित लोकभवन में खेमचंद को शपथ दिलाई। खेमचंद मैतेई समुदाय से आते हैं। उनके साथ ही नगा समुदाय से आने वाले लोधी दिखो ने डिप्टी सीएम की शपथ ली। वे नगा पीपुल्स फ्रंट के विधायक हैं। वहीं, कुकी समुदाय से आने वालीं नेमचा किपगेन राज्य की पहली डिप्टी सीएम बनीं। भाजपा नेता नेमचा ने दिल्ली के मणिपुर भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए शपथ लीं। आज ही राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने राज्य में 356 दिन से लगा राष्ट्रपति शासन हटाया है। मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदाय के बीच जातीय हिंसा के कारण 9 फरवरी 2025 को तत्कालीन CM एन. बीरेन सिंह ने इस्तीफा दिया था।

>> (शेष पेज 06 पर)

उत्तर प्रदेश बना देश में सर्वाधिक पंजीकरण वाला राज्य, कौशल विकास में रचा नया कीर्तिमान

'योगी सरकार की पहल से युवा ग्लोबल स्किल्स के लिए तैयार'

आयोजन

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार युवाओं को आत्मनिर्भर, रोजगारोन्मुख और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए सक्षम बनाने की दिशा में निरंतर प्रभावी कदम उठा रही है। इसी क्रम में प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (UPSDM) द्वारा इंडिया स्किल्स कॉम्पीटिशन–2025-26 के अंतर्गत राज्य स्तरीय

इंडिया स्किल्स कॉम्पीटिशन को मिला नया आयाम

कौशल प्रतियोगिता के विजेताओं का सम्मान समारोह बुधवार को कौशल विकास मिशन मुख्यालय, लखनऊ में भव्य रूप से आयोजित किया गया। इस अवसर पर व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम एवं मिशन निदेशक पुलकित खरे ने 20 विभिन्न स्किल ट्रेड्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कुल 40 विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। प्रत्येक स्किल ट्रेड से दो विजेताओं को सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने कौशल, समर्पण और परिश्रम से प्रदेश का नाम रोशन किया।

उल्लेखनीय है कि वर्ल्ड स्किल्स प्रतियोगिता प्रत्येक दो वर्षों में आयोजित होती है। वर्ष 2024 में जहां कुल 7,472 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया था, वहीं वर्ष 2026 के लिए यह संख्या बढ़कर 1,09,249 हो गई है, जिससे उत्तर प्रदेश देश में सर्वाधिक पंजीकरण वाला राज्य बन गया है। वर्ष 2024 में प्रदेश ने 10 स्किल्स में भागीदारी की थी, जबकि इस वर्ष 20 स्किल्स में सहभागिता कर प्रदेश ने कौशल विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। इसके साथ ही, जहां पूर्व में प्रतियोगिता एक ही केंद्र पर आयोजित की जाती थी, वहीं इस वर्ष लखनऊ के 11 विभिन्न केंद्रों पर 1,270 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान मिशन की गतिविधियों को जन-जन तक प्रभावी रूप से पहुँचाने के उद्देश्य से सोशल मीडिया सेल का शुभारंभ किया गया तथा गुणवत्तायुक्त प्रशिक्षण को और सुदृढ़ करने हेतु M/s NIESBUD के साथ एमओयू का हस्तांतरण भी किया गया।

> इस अवसर पर मिशन निदेशक पुलकित खरे ने कहा कि राज्य स्तरीय कौशल प्रतियोगिता युवाओं की प्रतिभा को पहचान दिलाने का सशक्त मंच है, जो उन्हें आत्मनिर्भर बनने के साथ-साथ राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने बताया कि चयनित सभी विजेता प्रतिभागी 4 एवं 5 फरवरी 2026 को लखनऊ में आयोजित विशेष बूट कैंप में भाग लेंगे, जहाँ उन्हें विशेषज्ञों द्वारा नॉर्थ रीजनल स्किल कॉम्पीटिशन की तैयारी कराई जाएगी।

भविष्य की योजनाओं की जानकारी ली

समारोह को संबोधित करते हुए प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने विजेता प्रतिभागियों से संवाद कर उनके प्रशिक्षण अनुभव, प्रतियोगिता यात्रा और भविष्य की योजनाओं की जानकारी ली तथा उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को आधुनिक, रोजगारोन्मुख एवं वैश्विक मानकों के अनुरूप कौशल प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे आयोजनों से युवाओं में प्रतिस्पर्धात्मक भावना विकसित होती है और उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुँचने का अवसर मिलता है।

- राज्य स्तरीय कौशल प्रतियोगिता 2025-26 के 40 विजेताओं का सम्मान, युवाओं के सपनों को मिली नई उड़ान
- कौशल, प्रतिस्पर्धा और आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम
- यूपीएसडीएम के विशेष बूट कैंप से मिलेगी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय तैयारी
- नॉर्थ रीजनल, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यूपी के युवा बढ़ाएंगे प्रदेश का गौरव

वकील का अपहरण, पीट पीटकर अधमरा किया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के कृष्णानगर इलाके में रविवार रात कार सवार दबंगों ने एक वकील का अपहरण कर बेरहमी से पिटाई की। पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। इसके बाद मरा समझकर रेलवे ट्रैक के किनारे फेंककर फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अपहरण और लूट की धाराओं में पांच आरोपियों के खिलाफ FIR दर्ज की है। कृष्णानगर के विजय नगर निवासी दुर्गेश प्रजापति पेशे से वकील हैं। उन्होंने बताया कि रविवार की रात करीब 11 बजे वह अपने साथी यश चौहान, रौनक राम और गोलू के साथ कार से घर लौट रहे थे। इस दौरान कनौसी रेलवे क्रॉसिंग पर पहुंचे लेकिन फाटक बंद था। फाटक खुलने का इंतजार कर रहे थे। तभी पीछे से एक स्कूटी उनकी कार से टकरा गई।

दुर्गेश ने बताया कि स्कूटी से टक्कर मारने पर उन्होंने विरोध किया तो स्कूटी सवार दो युवक गाली-गलौज करने लगे। इस पर पुलिस को सूचना देने के लिए मोबाइल निकाला तो आरोपियों ने फोन छीन लिया। इसके बाद स्कूटी सवारों ने अपने तीन अन्य साथियों को मौके पर बुला लिया। इसके बाद कार से तीन अन्य लड़के पहुंचे। सभी ने लाठी-डंडों से दुर्गेश और उनके साथियों पर हमला कर दिया। इस दौरान आरोपियों ने यश चौहान को जबरन अपनी कार में बैठा लिया और भागने लगे।

- मृत समझकर रेलवे ट्रैक किनारे फेंका, गाड़ी लड़ने से शुरू हुआ था विवाद

फास्ट न्यूज

केंद्रीय मंत्री को गद्दार कहे जाने पर भड़का सिख समुदाय

लखनऊ । केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को लेकर राहुल गांधी के बयान ने सिख समुदाय में नाराज़गी बढ़ा दी है। राहुल गांधी द्वारा रवनीत सिंह बिट्टू को "गद्दार" कहे जाने के बाद लखनऊ में सिख संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किया और उनका पुतला फूंका। शहर के आलमबाग इलाके में सिख समुदाय के लोग सड़कों पर उतरे।

लखनऊ डीएम की मदद से दिव्यांग महिला को मिली ई-स्कूटी

लखनऊ। लखनऊ में दिव्यांग महिला को प्रशासन के सहयोग से इलेक्ट्रिक 3-व्हील स्कूटी दी गई है। महिला ने 29 जनवरी 2026 को जनता दर्शन के दौरान जिलाधिकारी विशाख जी. को प्रार्थना पत्र देकर मदद मांगी थी। जिलाधिकारी के निर्देश पर आज, 4 फरवरी को जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कार्यालय की ओर से उन्हें स्कूटी सौंपी गई। उनके 6 साल के बेटे का स्कूल में एडमिशन भी कराया गया।

पारा निवासी दिव्यांग खुशबू चलने-फिरने में असमर्थ हैं।

चाइनीज मांझे से युवक की गर्दन कटी

लखनऊ । लखनऊ में बुधवार को चाइनीज मांझे से युवक की गर्दन कट गई। घायल को तुरंत ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। डॉक्टरों ने बताया- गर्दन की नसें कट गई थीं। ज्यादा खून बहने से युवक को बचा नहीं सके।

मृतक की पहचान दुबग्गा के रहने वाले मोहम्मद शोएब (33) के रूप में हुई है। शोएब हैदरगंज ओवरब्रिज पर बाइक से जा रहे थे।

राजधानी में बेकाबू कार ने स्कूटी सवार को रौंदा

इलाज के दौरान तोड़ा दम-ड्राइवर गाड़ी छोड़कर फरार

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में मंगलवार रात एक सड़क हादसे में स्कूटी सवार 40 साल के ललित चौधरी की मौत हो गई। वह ड्यूटी से घर लौट रहे थे, तभी एक तेज रफ्तार वैगनआर कार ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल ललित को अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया।

यह घटना अमौसी औद्योगिक क्षेत्र (नादरगंज) में बद्री नगर पुलिया से आगे उस समय हुई, जब ललित चौधरी रात करीब 11 बजे अपनी ड्यूटी खत्म कर घर वापस जा रहे थे। विपरीत दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार वैगनआर कार ने उनकी स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ललित बुरी तरह घायल हो गए। आसपास के लोगों ने तुरंत घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने गंभीर हालत में ललित को लोक बंधु अस्पताल पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने उन्हें ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया, लेकिन ट्रामा सेंटर ले जाते समय रास्ते में ही ललित चौधरी की मौत हो गई। बंथरा के औरावां निवासी राममिलन के अनुसार, उनके चचेरे भाई ललित चौधरी (40) अपनी पत्नी पूजा के साथ सरोजनी नगर की जयराज पुरी कॉलोनी में रहते थे। वह अमौसी औद्योगिक क्षेत्र (नादरगंज) स्थित गोमती ब्रेड कंपनी में नौकरी करते थे।

लखनऊ में मेगा जॉब फेयर से निराश होकर लौटे अभ्यर्थी, कहा- समय से पहले बंद किया काउंटर

ग्रेजुएशन पास को मिल रहे डिलीवरी बॉय के ऑफर

निराशा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । मैंने ग्रेजुएशन किया है। पढ़ाई में खूब पैसा भी खर्च हुआ है। जॉब ऑफर डिलीवरी बॉय के मिल रहे हैं। 8 से 9 हजार प्रतिमाह की सैलरी में क्या होगा? 3 हजार तक के कपड़े ही हो जाते है। महीने में 8 से 9 हजार किराए-भाड़े में खर्च हो जाते हैं। तो इस सैलरी में कैसे काम चलेगा?

यह कहना है दीपांशु गुप्ता का। बुधवार को KKC के मेगा जॉब फेयर में पहुंचे ऐसे कई अभ्यर्थियों ने बातचीत में अपनी आपबीती सुनाई।

साल 2023 में KKC से ही ग्रेजुएशन करने वाले दीपांशु गुप्ता ने कहा- फिलहाल गवर्नमेंट सर्विस की तैयारी कर रहे हैं। जब मेगा जॉब फेयर लगने की खबर मिली तो यहां आकर शामिल हुए। बड़ी संख्या में कंपनियां आई हैं। इसकी सूचना मिली। पर यहां आने के बाद पता चला कि ज्यादातर नौकरियां डिलीवरी बॉय और पोर्टर के प्रोफाइल से जुड़ी हैं। माता-पिता ने इतना पैसा पढ़ाई में खर्च किया, क्या इस ऐसी जॉब के लिए ही ग्रेजुएशन पास किया है। मैं ऑफिस वर्क की जॉब के लिए आया था। यहां ऐसी कोई प्रोफाइल नहीं मिली अब लौट रहा हूं। ओंकार गौतम ने कहा- समय से पहले ही HR उठकर चले गए थे। इतनी दूर से जॉब के लिए हम लोग आते हैं। बिना इंटरव्यू लिए ही वापस भेज दिया गया। इंटरव्यू लेते, फिर हमें रिजेक्ट कर देते तब फील न होता। बिना इंटरव्यू लिए ही वापस कर दिया।

यहां आकर समय बर्बाद किया

सर्वेश प्रताप सिंह ने कहा- यहां के जॉब फेयर में आने पर ये उम्मीद थी कि अच्छी प्रोफाइल की जॉब मिल जाएगी। यहां सिक्योरिटी गार्ड और डिलीवरी बॉय की नौकरी मिल रही है। इतनी दूर से चलकर यहां आए हैं। समय बर्बाद किया। क्या इसी दिन के लिए डिग्री और डिप्लोमा किया था?

यशि ने कहा- करीब आधे घंटे से ज्यादा समय तक इंतजार करती रही। मेरा इंटरव्यू नहीं हुआ। मेरा यही कहना है कि जब 4:00 बजे तक का समय लिखा था तो उस समय तक रजिस्ट्रेशन होना चाहिए था। 3:00 बजे ही सब काउंटर हट गए, रजिस्ट्रेशन होना बंद हो गया था।

लखनऊ में सड़क किनारे मिला था शव, 2 आरोपी गिरफ्तार, दोनों रिश्ते में मौसेरे भाई

बाइक से साइकिल टच होने पर किसान नेता की हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

मोहनलालगंज । लखनऊ में बाइक से साइकिल टच हो जाने के मामूली विवाद में किसान नेता की हत्या कर दी गई। पुलिस ने 24 घंटे में हत्याकांड का खुलासा करते हुए आरोपी 2 युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों ने शराब के नशे में ईंट और लात-घूंसों से पीट-पीटकर हत्या करने की बात कबूली है।

एडीसीपी साउथ रल्ला पल्ली बसंथ कुमार ने बताया- सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र के मोहन कटरा बक्कास गांव के रहने वाले सुशील और बुद्धखेड़ा गांव के रहने वाले दीपक कुमार को उनके घर से गिरफ्तार किया गया। दोनों रिश्ते में मौसेरे भाई हैं और हत्या करने के बाद घर में जाकर सो गए थे।

संतराम, मृतक

पुलिस ने कटरा बक्कास गांव के रहने वाले सुशील-बुद्धखेड़ा गांव के रहने वाले दीपक कुमार को उनके घर के बाहर से गिरफ्तार किया। पुलिस ने कटरा बक्कास गांव के रहने वाले सुशील-बुद्धखेड़ा गांव के रहने वाले दीपक कुमार को उनके घर के बाहर से गिरफ्तार किया।

पुलिस पूछताछ में सुशील-दीपक ने बताया कि 2 फरवरी की रात ज्यादा शराब पी रखी थी। रात करीब 11:30 बजे बाइक से मुल्लाखेड़ा जा रहे थे, तभी साइकिल से आ रहे संतराम से उनकी बाइक टच गई। इस पर संतराम ने मां-बहन की गाली देनी शुरू कर दी। हम दोनों आगे निकल गए थे। बाइक मोड़कर वापस आए और संतराम को रोका लिया। इसके बाद झगड़ा शुरू हो गया। ज्यादा नशे की हालत में थे। पास पड़ी ईंट और लात-घूंसों से संतराम पर हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल संतराम को सड़क से घसीटकर पास के खाली प्लॉट में फेंक दिया और घर चले गए। एडीसीपी साउथ रल्ला पल्ली बसंथ कुमार ने बताया- पांच पुलिस टीमों का गठन किया गया। एक सीसीटीवी फुटेज में संतराम साइकिल से शराब के ठेके की ओर जाता हुआ दिखाई दिया था। जांच के दौरान पुलिस टीमों ने रूट के 15 से 20 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। इसमें दोनों युवक बाइक से जाते दिखे। मुखबिर की सूचना के आधार पर दोनों की पहचान की गई। इसके बाद गिरफ्तार कर सख्ती से पूछताछ की गई तो दोनों ने हत्या की बात कबूल कर ली।

सड़क किनारे मिला था शव

लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र के मुल्ला खेड़ा गांव के पास मंगलवार सुबह सड़क किनारे किसान नेता का शव पड़ा मिला था। मृतक की पहचान ग्राम चौरासी निवासी संतराम (40) पुत्र दुलारे रावत के रूप में हुई थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शुरुआती जांच में शरीर पर गंभीर चोटों के निशान मिले थे। मृतक के भाई मस्तराम की लिखित तहरीर पर अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया था।

फागुनी मेले की सुरक्षा व्यवस्था का एएसपी ने लिया जायजा

लोधेश्वर महादेवा पहुंचने लगे कांवरिया

तमसा संकेत, संवाददाता

रामनगर (बाराबंकी)। फागुनी मेले की तैयारियों को लेकर बुधवार को अपर पुलिस अधीक्षक विकास चंद्र त्रिपाठी ने सुप्रसिद्ध लोधेश्वर महादेवा धाम पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मेला क्षेत्र का भ्रमण कर श्रद्धालुओं के सुगम पूजन-दर्शन के लिए की गई बैरिकेडिंग की मजबूती को परखा। साथ ही बोहनिया एवं अभरन सरोवर में लगाई गई बैरिकेडिंग का भी निरीक्षण किया।एएसपी ने मेला क्षेत्र में ड्यूटी स्थल की स्थिति की जानकारी लेते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने पूरे मेला परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने के निर्देश दिए, जिस पर पुलिस टीम द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए मेला क्षेत्र को सीसीटीवी कैमरों से आच्छादित कर दिया गया।उधर, लोधेश्वर महादेवा धाम में कांवरियों का आगमन शुरू हो गया है। बुधवार को जनपद कानपुर के थाना महराजपुर क्षेत्र से महंत शिवप्रसाद पाल के नेतृत्व में कांवरियों का जत्था धाम पहुंचा। कांवरियों में सुरेश कुमार, धर्मेंद्र, राहुल, अमन मौर्य, अजय गुज्जर, शुभम राजपूत एवं अरुण शामिल रहे। कांवरियों ने बताया कि उन्होंने सोमवार को कानपुर के चंदन घाट से जल भरकर पैदल कांवर यात्रा प्रारंभ की थी। यात्रा के दौरान उन्हें किसी प्रकार की असुविधा नहीं हुई। लोधेश्वर महादेवा पहुंचकर भगवान भोलेनाथ के दर्शन पाकर सभी श्रद्धालु प्रफुल्लित नजर आए।

आदेश : सुप्रीम कोर्ट का फैसला- नौकरी भी नहीं जाएगी, राज्य सरकार की अपील खारिज

यूपी में अनुदेशक शिक्षकों को मिलेगा 17 हजार मानदेय

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । यूपी के अनुदेशक शिक्षकों को 17000 हजार रुपए मानदेय का रास्ता साफ हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार की वह अपील खारिज कर दी है, जिसमें यूपी सरकार अनुदेशकों के मानदेय बढ़ाने के खिलाफ थी। साथ ही यह आदेश दिया है कि अनुदेशकों की नौकरी खत्म न की जाए।

सुप्रीम कोर्ट की डबल बेंच ने साफ कहा है कि संविदा की निर्धारित अवधि खत्म होने के बाद भी अनुदेशकों की नौकरी खत्म नहीं होगी। 10 साल से लगातार काम करने की वजह से यह पद ऑटोमैटिक तरीके से सृजित है। अनुदेशकों को 17 हजार रुपए मानदेय 2017 से लागू किया जाए। दरअसल, अनुदेशक 2013 से मानदेय बढ़ाने की मांग कर रहे थे। इनकी याचिका पर हाईकोर्ट ने मानदेय बढ़ाने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट के फैसले को राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट की डबल बेंच ने कहा-संविदा की निर्धारित अवधि खत्म होने के बाद भी अनुदेशकों की नियुक्ति खत्म नहीं होगी। यह पोस्ट कांट्रैक्चुअल भी नहीं माना जा सकता क्योंकि इनके कांट्रैक्ट में यह साफ तौर पर मेंशन है कि वे अपने स्पेयर टाइम में दूसरी नौकरी या काम नहीं कर सकते। ऐसे में यह स्पष्ट है कि ये इंट्रक्टर टीचर 10 साल से लगातार काम कर रहे हैं और परमानेंट टीचर के रूप में डीम्ड तौर पर एम्प्लायड हैं। इतना समय बीतने और उनके लगातार काम करने की वजह से यह पद ऑटोमेटिकली सृजित हो गया है। 17 हजार रुपए से कम मानदेय संविधान के आर्टिकल-23 के विपरीत है। कोर्ट में मंगलवार को करीब तीन घंटे तक सुनवाई हुई। जस्टिस पंकज मित्तल और जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले की डबल बेंच ने राज्य सरकार और याचिकाकर्ताओं को तीन दिन के भीतर लिखित जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया था।

> डबल बेंच ने आदेश दिया कि संशोधित मानदेय का भुगतान 1 अप्रैल 2026 से शुरू किया जाए। साथ ही यह भी निर्देश दिया गया कि अंशकालिक शिक्षकों का पूरा बकाया आज यानी 4 फरवरी 2026 से छह महीने की अवधि के भीतर अनिवार्य रूप से भुगतान किया जाए।

2017 से लागू होगा बढ़ा हुआ मानदेय : सलाहकार

अनुदेशकों के विधिक सलाहकार बृजेश कुमार त्रिपाठी ने कहा है कि यह अनुदेशकों की बड़ी जीत है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से अनुदेशकों के साथ न्याय हुआ है। उन्हें 2017 से बढ़ा हुआ मानदेय मिलेगा। बृजेश इस पूरे मामले में अनुदेशकों को विधिक सलाह देते हैं। वह मूलरूप से अमेठी के रहने वाले हैं।

रोड एक्सीडेंट में महिला वकील की मौत स्कूटी से मायके जा रही थीं

कार ने टक्कर मारी, खून से लथपथ सड़क पर पड़ी रहीं

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के सरोजनी नगर में एक तेज रफ्तार वैगनआर कार की टक्कर से स्कूटी सवार महिला अधिवक्ता स्मिता द्विवेदी (45) घायल हो गईं। गंभीर रूप से घायल स्मिता को लोकबंधु अस्पताल ले जाया गया था, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया।

यह घटना बुधवार सुबह करीब 10 बजे कानपुर रोड पर एयरपोर्ट रनवे के सामने गिंदन खेड़ा मोड़ के पास हुई। स्मिता अपनी स्कूटी से ठाकुरगंज के नगरिया स्थित अपने मायके जा रही थीं। वैगनआर कार ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कार चालक कार सहित मौके से फरार हो गया।

दुर्घटना के बाद स्मिता सड़क पर गंभीर रूप से घायल पड़ी थीं। उनके बच्चों को पहले स्कूल ले जाने वाले ड्राइवर हंसराज वहां से गुजर रहे थे। उन्होंने स्मिता को सड़क पर पड़ा देखा तो कमांड हॉस्पिटल पहुंचाया। हंसराज ने ऋतुराज को भी घटना की सूचना दी। स्मिता की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें कमांड हॉस्पिटल से लोकबंधु अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां उनकी मृत्यु हो गई।

सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर वैगनआर कार और उसके चालक का पता लगाने में जुटी हुई है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। स्मिता द्विवेदी सरोजनी नगर की जयराजपुरी कॉलोनी में अपने पति ऋतुराज के साथ रहती थीं। ऋतुराज ट्रांसपोर्ट नगर में ट्रांसपोर्ट की गाड़ी चलाते हैं। स्मिता पेशे से अधिवक्ता थीं। उनके परिवार में पति ऋतुराज के अलावा बेटी पीहू और बेटा विराट है।

एलएलबी परीक्षा में 'सेटिंग' का आरोप

संगठित रैकेट का आरोप, छात्रों से ऑनलाइन वसूली के डिजिटल सबूत वायरल

चर्चा

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। बीएनकेबी पीजी कॉलेज, अकबरपुर में आयोजित एलएलबी परीक्षा को लेकर गंभीर और चौंकाने वाले आरोप सामने आए हैं। सीबी सिंह लॉ कॉलेज का परीक्षा केंद्र बने इस महाविद्यालय में 30 जनवरी से 05 फरवरी तक चली परीक्षाओं के दौरान कथित तौर पर ऐसे छात्रों की उत्तर पुस्तिकाएं लिखे जाने का दावा किया जा रहा है, जो परीक्षा कक्ष में उपस्थित ही नहीं थे। आरोप है कि यह पूरा काम कॉलेज परिसर के भीतर सुनियोजित तरीके से किया गया। सोशल मीडिया पर ऑनलाइन ट्रांजैक्शन से जुड़े स्क्रीनशॉट वायरल होने की चर्चा है। हालांकि अभी इनकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन डिजिटल भुगतान का दावा पूरे प्रकरण को और गंभीर बना रहा है। यदि इन दस्तावेजों की फॉरेंसिक जांच होती है, तो कई परतें खुल सकती हैं।

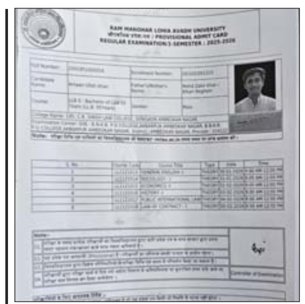

अनुपस्थिति के बावजूद उत्तर पुस्तिकाएं लिखे जाने का दावा

सूत्रों के अनुसार, एलएलबी तीन वर्षीय और पांच वर्षीय पाठ्यक्रम के कुछ छात्र परीक्षा के दौरान गैरहाजिर रहे, इसके बावजूद उनकी उत्तर पुस्तिकाएं नियमित रूप से भरी गईं। चर्चा है कि ये कॉपियां परीक्षा केंद्र के भीतर ही लिखी गईं और बाद में मूल्यांकन के लिए भेजी गईं। यदि यह तथ्य जांच में सही पाया जाता है, तो यह परीक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है।वायरल फोटोज की पुष्टि दैनिक समाचार पत्र तमसा संकेत नहीं करता है।

आरोपों के केंद्र में एलएलबी तीन वर्षीय पाठ्यक्रम के छात्र फैसल इकबाल और पांच वर्षीय पाठ्यक्रम के छात्र मोहम्मद इसमाइल व अमनउल्लाह खान के नाम सामने आए हैं। चर्चा है कि इन छात्रों की उत्तर पुस्तिकाएं पैसे के बदले लिखी गईं। सूत्र यह भी संकेत दे रहे हैं कि ऐसे मामलों की संख्या इससे अधिक हो सकती है और अन्य नाम भी जांच के दौरान सामने आ सकते हैं। सूत्रों का दावा है कि यह राशि सीबी सिंह लॉ कॉलेज के मैनेजर धीरेंद्र प्रताप सिंह के खाते में ट्रांसफर कराई गई। छात्रों से सीधे उसी खाते में भुगतान कराने की बात सामने आ रही है। इस दावे ने कॉलेज प्रबंधन और परीक्षा संचालन से जुड़े लोगों की भूमिका पर सवाल खड़े कर दिए हैं।आरोप लगे हैं कि कई छात्र परीक्षा में उपस्थित नहीं थे, लेकिन उनकी उत्तर पुस्तिकाएं कॉलेज परिसर के भीतर ही लिखी जा रही थीं।

> इतने गंभीर आरोपों के बावजूद अब तक कॉलेज प्रशासन या परीक्षा से जुड़े किसी जिम्मेदार अधिकारी की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। इस चुप्पी के कारण संदेह और गहराता जा रहा है।

प्रति छात्र 25 हजार रुपये की ऑनलाइन वसूली का आरोप

मामले में सबसे अहम पहलू कथित ऑनलाइन लेन-देन का है। आरोप है कि 'परीक्षा में सुविधा' दिलाने के नाम पर प्रति छात्र 25 हजार रुपये लिए गए। हाल ही में तीन छात्रों से कुल 75 हजार रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर किए जाने की जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि यह रकम सीधे कॉलेज से जुड़े एक मैनेजर के खाते में भेजी गई।

पुलिस कार्यालय में बुधवार को जनसुनवाई

फरियादियों की समस्याएं सुनी गईं

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। पुलिस कार्यालय में बुधवार को जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान एसपी अभिजित आर शंकर ने दूर-दराज से आए आवेदकों की शिकायतें सुनीं और उनकी समस्याओं को गंभीरता से संज्ञान में लिया। जनसुनवाई में विभिन्न थाना क्षेत्रों से जुड़े मामले प्रस्तुत किए गए, जिनमें भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, धोखाधड़ी और अन्य जनशिकायतें शामिल रहीं।

कार्यक्रम के दौरान फरियादियों को अपनी बात विस्तारपूर्वक रखने का अवसर दिया गया। एसपी ने एक-एक कर सभी आवेदनों को सुना और संबंधित प्रकरणों की वस्तुस्थिति की जानकारी प्राप्त की। कई मामलों में मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, जबकि शेष मामलों में त्वरित और निष्पक्ष निस्तारण के लिए संबंधित

अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश जारी किए गए। एसपी ने जनसुनवाई के दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्ध, पारदर्शी और कानून के दायरे में किया जाए। उन्होंने कहा कि फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से लेना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनसुनवाई में पहुंचे आवेदकों को उनकी समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया गया। एसपी ने स्पष्ट किया कि जिन मामलों में जांच की आवश्यकता है, वहां निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

123वीं जयंती पर याद किए गए पूर्व मंत्री जयराम वर्मा

जयराम जनता उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में हुआ जयंती समारोह का आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। पूर्व मंत्री और पूर्वांचल के गांधी कहे जाने वाले स्वर्गीय जयराम वर्मा की 123वीं जयंती बुधवार को श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। जयंती समारोह का आयोजन जयराम जनता उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामनगर परिसर में किया गया। कार्यक्रम का संयोजन विद्यालय की प्रबंधक मीरा देवी गुप्ता और पूर्व प्रबंधक प्रमोद कुमार गुप्ता द्वारा किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि जयबजरंग शिक्षा समूह रामनगर के प्रबंधक अंजनी कुमार वर्मा रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेविका सीमा अग्रहरि, पंडित अटल बिहारी बाजपेई जनसेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष ज्योतींद्र नाथ तिवारी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य दशरथ यादव,

जिला सहकारी बैंक के निदेशक आनंद कुमार जायसवाल, अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिला मंत्री एवं भाजपा नेता राजाबाबू गुप्ता, व्यापार मंडल अध्यक्ष रामनगर माया कुमार अग्रहरि उपस्थित रहे। इसके अलावा शिक्षक नेता अखिलेश यादव जय जय, प्रभाकर मिश्र, संतोष सिंह, शिक्षक शिवदास तिवारी, रईस अहमद, आरएस गौतम, मंतराम यादव, बाबूलाल, अधिवक्ता जेपी सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य लोग समारोह में शामिल हुए।

कार्यक्रम में स्नेहा, विभा, छाया, पलक, आर्या, उमा, संध्या सहित अन्य छात्र-छात्राओं ने विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिन्हें दर्शकों ने सराहा।

प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

समारोह के दौरान पूर्व मंत्री स्वर्गीय जयराम वर्मा और पूर्व प्रमुख रामसहाय गुप्ता की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपस्थित वक्ताओं ने उनके जीवन और कार्यों पर प्रकाश डालते हुए उन्हें दलितों, शोषितों, किसानों और वंचित वर्गों का सच्चा हितैषी बताया।

वेस्ट्रिज हिल्टन स्कूल में टीम वर्क पर शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। सीबीएसई विद्यालय वेस्ट्रिज हिल्टन स्कूल मकोइया, बसखारी में टीम वर्क विषय पर एक शैक्षिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में सहयोग, समन्वय और सामूहिक जिम्मेदारी की समझ विकसित करना रहा। आयोजन की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य मोहम्मद मोहसिन खान ने की, जबकि संचालन अतुल त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नेशनल इंटर कॉलेज हंसवर के शिक्षक मोहम्मद असलम खान उपस्थित रहे। उन्होंने टीम वर्क के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक है। टीम वर्क से नेतृत्व क्षमता का विकास होता है और सकारात्मक सोच को मजबूती मिलती है। उन्होंने कहा कि आपसी विश्वास और समन्वय के बिना संस्था, विद्यालय या समाज की प्रगति

छात्रों में सहयोग और नेतृत्व क्षमता विकसित करने पर दिया गया जोर

संभव नहीं है। प्रधानाचार्य मोहम्मद मोहसिन खान ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक दौर में वही छात्र और शिक्षक आगे बढ़ते हैं, जो मिल-जुलकर कार्य करने की क्षमता रखते हैं। विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को इस दिशा में तैयार करना समय की आवश्यकता है।कार्यक्रम का संचालन कर रहे अतुल त्रिपाठी ने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल शैक्षणिक ज्ञान देना नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में अनुशासन, सहयोग और नैतिक मूल्यों का विकास करना भी है।

कटेहरी में जल अर्पण दिवस कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

हरिनाथ पुर ग्राम पंचायत में जनभागीदारी के साथ शुरू हुआ अभियान

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकर नगर। कटेहरी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत हरिनाथ पुर, ब्लॉक कटेहरी में जल अर्पण दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद और जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा 'साधू' वर्मा ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के तहत जल संरक्षण, जल स्रोतों के संवर्धन और वर्षा जल संचयन को लेकर जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। जल अर्पण दिवस के माध्यम से जल के महत्व को रेखांकित करते हुए ग्राम स्तर पर सहभागिता को बढ़ावा दिया

गया। आयोजन स्थल पर जल संरक्षण से संबंधित कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई और ग्राम पंचायत स्तर पर किए जाने वाले प्रयासों की जानकारी साझा की गई।

कार्यक्रम में बताया गया कि गिरते जल स्तर और बढ़ती जल आवश्यकता को देखते हुए जल संरक्षण के उपायों को प्राथमिकता देना आवश्यक है। जल अर्पण दिवस का उद्देश्य लोगों को जल के प्रति जिम्मेदारी का बोध कराना और स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग को प्रोत्साहित करना है। इस दौरान जल स्रोतों की साफ-सफाई, वर्षा जल संग्रह और जल अपव्यय रोकने पर चर्चा की गई। विधायक धर्मराज निषाद ने कहा, "जल अर्पण दिवस जैसे कार्यक्रम ग्रामीण स्तर पर जल के महत्व को समझाने में सहायक हैं। जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की आवश्यकता है, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध रह सके।" जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा 'साधू' वर्मा ने कहा, "ग्राम पंचायत स्तर पर जल संरक्षण के प्रयासों से स्थायी परिणाम मिल सकते हैं। सामूहिक सहभागिता से जल स्रोतों को संरक्षित किया जा सकता है और जल संकट की चुनौती का समाधान संभव है।"

पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल

एसपी अभिजित आर शंकर ने निरीक्षक, उपनिरीक्षक और चौकी प्रभारियों के कार्यक्षेत्र में किया बदलाव

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। पुलिस अधीक्षक अभिजित आर शंकर ने जिले में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कोतवाली, थाना और चौकी प्रभारियों के कार्यक्षेत्र में व्यापक फेरबदल किया है। इस क्रम में कई निरीक्षक, उपनिरीक्षक और चौकी प्रभारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, जबकि कुछ को पुलिस लाइन और विशेष शाखाओं में तैनात किया गया है।

साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक राजकुमार वर्मा को क्राइम ब्रांच भेजा गया है। साइबर थाने की जिम्मेदारी अब पुलिस लाइन में तैनात निरीक्षक रंथा सिंह यादव को सौंपी गई है। इसके साथ ही साइबर थाने में निरीक्षक हीरालाल यादव, उपनिरीक्षक यादवेंद्र सोनकर और उपनिरीक्षक अविनाश प्रताप सिंह को तैनाती दी गई है। टांडा हयातगंज चौकी

> कटका प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार को एएसपी पश्चिमी का वाचक बनाया गया है। कटका थाने की जिम्मेदारी थाने में तैनात एसआइ अवधेश कुमार श्रीवास्तव को सौंपी गई है। उपनिरीक्षक उस्मान गनी को भी कटका थाने में तैनाती दी गई है।

प्रभारी उपनिरीक्षक रणजीत सिंह को पुलिस लाइन भेजा गया है। एनटीपीसी चौकी प्रभारी मुनी मनरंजन दुबे को हयातगंज पुलिस चौकी का प्रभारी बनाया गया है। पुलिस लाइन से एसआइ द्रौमित्र सिंह रावत को एनटीपीसी चौकी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उपनिरीक्षक शिवबक्स सिंह को एसएसआइ टांडा बनाया गया है। शहजादपुर चौकी प्रभारी महेंद्र सरोज को महरुआ का थानाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। पुलिस लाइन में तैनात वीरेंद्र कुमार पाल को शहजादपुर चौकी प्रभारी बनाया गया है। अकबरपुर कोतवाली में तैनात निरीक्षक संतोष कुमार शुक्ल को पुलिस लाइन भेजा गया है, जबकि पुलिस लाइन में रहे निरीक्षक कृष्णबली सिंह को अतिरिक्त निरीक्षक अकबरपुर कोतवाली की जिम्मेदारी दी गई है।

कोतवाली और थानों के प्रभार में बदलाव

जलालपुर कोतवाली के निरीक्षक संतोष कुमार सिंह को जहांगीरगंज का प्रभारी बनाया गया है, जबकि जहांगीरगंज में तैनात अजय प्रताप यादव को जलालपुर कोतवाली की जिम्मेदारी सौंपी गई है। हंसवर के निरीक्षक बीरेंद्र बहादुर सिंह को भीटी थाने का प्रभारी बनाया गया है। भीटी थानाध्यक्ष अमित कुमार पांडेय को एसपी वाचक की जिम्मेदारी दी गई है। पुलिस लाइन से एसआइ अभिनेष कुमार को हंसवर थानाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

इब्राहिमपुर थानाध्यक्ष रितेश कुमार पांडेय को आलापुर थाना प्रभारी बनाया गया है। वहीं आलापुर में तैनात प्रभारी निरीक्षक अतुल कुमार श्रीवास्तव को मीडिया सेल प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

आकांक्षी विकास खंड भीटी में सम्पूर्णता अभियान 2.0 शुरू

नीति आयोग के छह पैरामीटर पर शत-प्रतिशत संतृप्ति का लक्ष्य

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। आकांक्षी विकास खंड भीटी में मंगलवार को सम्पूर्णता अभियान 2.0 का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य हरिओम पाण्डेय और कटेहरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक धर्मराज निषाद द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। अभियान का उद्देश्य नीति आयोग द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार विकास खंड को शत-प्रतिशत संतृप्त करना है।

उद्घाटन कार्यक्रम में खंड विकास अधिकारी भीटी, मुख्यमंत्री शोधार्थी, खंड शिक्षा अधिकारी के नामित कर्मचारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी भीटी, सहायक विकास अधिकारी ग्राम विकास, कृषि सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान अभियान की कार्ययोजना और लक्ष्यों की जानकारी साझा की गई।

28 जनवरी से 14 अप्रैल तक चलेगा अभियान

खंड विकास अधिकारी हौशिला प्रसाद और मुख्यमंत्री शोधार्थी अजय तिवारी ने बताया कि सम्पूर्णता अभियान 2.0 का संचालन 28 जनवरी 2026 से 14 अप्रैल 2026 तक किया जाएगा। इस अवधि में नीति आयोग द्वारा निर्धारित छह प्रमुख पैरामीटर पर शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है। अभियान के तहत सभी संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर कार्य किया जाएगा।

आवारा कुत्ते ने बच्ची का गाल नोंचा

बाराबंकी। बाराबंकी में आवारा कुत्तों का आतंक जारी है। कोठी थाना क्षेत्र के टिकरिया गांव में बुधवार को घर के बाहर खेल रही तीन वर्षीय बच्ची पर एक आवारा कुत्ते ने हमला कर दिया। हमले में बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

टिकरिया गांव निवासी रिंकू की तीन वर्षीय बेटी दोपहर में अपनी पांच वर्षीय बड़ी बहन के साथ घर के बाहर खेल रही थी। तभी गांव में घूम रहे एक आवारा कुत्ते ने उस पर हमला कर दिया और उसके चेहरे पर गंभीर घाव कर दिए। बच्चियों की चीख-पुकार सुनकर परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बच्ची को कुत्ते के चंगुल से छुड़ाया।

खून से लथपथ बच्ची को पहले नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत के चलते उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में बच्ची को एंटी-रेबीज इंजेक्शन दिया गया है और विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज चल रहा है।

विश्व कैंसर दिवस पर जिलेभर में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर बुधवार को अम्बेडकरनगर जिले में ज़िला चिकित्सालय सहित सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। शिविरों के माध्यम से आमजन को कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरूक किया गया और प्राथमिक जांच की सुविधा उपलब्ध कराई गई। स्वास्थ्य विभाग की ओर से आयोजित इन शिविरों में पुरुषों और महिलाओं की अलग-अलग जांच की गई। चिकित्सा टीमों ने कैंसर के लक्षण, बचाव के उपाय और समय पर जांच के महत्व की जानकारी दी।

स्वास्थ्य शिविरों में कुल 693 लोगों की कैंसर जांच की गई। इनमें 333 पुरुष और 360 महिलाएं शामिल रहीं। जांच के दौरान संदिग्ध मामलों को चिन्हित कर उन्हें आगे की जांच और उपचार के लिए परामर्श दिया गया।

चिकित्सकों ने बताया कि कैंसर

की समय पर पहचान होने से उपचार की सफलता की संभावना काफी बढ़ जाती है। इसी उद्देश्य से विश्व कैंसर दिवस पर यह विशेष पहल की गई।

ज़िला चिकित्सालय के साथ-साथ जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर शिविर लगाए गए। प्रत्येक केंद्र पर चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ और पैरामेडिकल कर्मियों की तैनाती की गई थी। जांच के साथ-साथ लोगों को तंबाकू सेवन, गलत खानपान और जीवनशैली से होने वाले जोखिमों के बारे में भी बताया गया। महिलाओं के लिए विशेष रूप से स्तन कैंसर और सर्वाइकल कैंसर से संबंधित जानकारी दी गई, जबकि पुरुषों को मुख कैंसर और फेफड़ों के कैंसर के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी गई।

संचालन : 200 से अधिक अवैध क्लीनिक, बिना डिग्री इलाज और इंजेक्शन का खेल

बेवाना में झोलाछाप डॉक्टरों का जाल

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। बेवाना क्षेत्र में स्वास्थ्य व्यवस्था की स्थिति गंभीर बनी हुई है। क्षेत्र के कस्बों और गांवों में लगभग 200 से अधिक अवैध क्लीनिक संचालित होने की बात सामने आई है। इन क्लीनिकों के संचालकों के पास न तो मान्य मेडिकल डिग्री है और न ही स्वास्थ्य विभाग से कोई पंजीकरण, इसके बावजूद इलाज का पूरा कारोबार खुलेआम चल रहा है।

स्थानीय स्तर पर संचालित इन अवैध क्लीनिकों में मरीजों को इंजेक्शन, ड्रिप और शक्तिशाली दवाएं दी जा रही हैं। जानकारी के अनुसार, रोजाना सैकड़ों मरीज इन क्लीनिकों में पहुंच रहे हैं। प्राथमिक उपचार के नाम पर गंभीर बीमारियों का इलाज किया जा रहा है, जिससे मरीजों की स्थिति बिगड़ने के कई

मामले सामने आ चुके हैं। कुछ मामलों में मरीजों की जान पर भी संकट आने की चर्चा है। सबसे बड़ा सवाल स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली को लेकर उठ रहा है। इतनी बड़ी संख्या में अवैध क्लीनिकों का संचालन विभाग की जानकारी के बिना संभव नहीं माना जा रहा। इसके बावजूद न तो नियमित जांच की जा रही है और न ही प्रभावी कार्रवाई देखने को मिल रही है। छिटपुट कार्रवाई के अलावा व्यापक अभियान का अभाव साफ नजर आता है। अब निगाहें जिलाधिकारी और मुख्य चिकित्साधिकारी की भूमिका पर टिकी हैं। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि इस गंभीर मामले में कब तक ठोस कार्रवाई की जाती है और अवैध क्लीनिकों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जाता है। फिलहाल बेवाना क्षेत्र में झोलाछाप डॉक्टरों का नेटवर्क स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है।

बिना योग्यता चल रहा इलाज

नियमों के तहत किसी भी व्यक्ति को बिना मान्यता प्राप्त मेडिकल डिग्री और स्वास्थ्य विभाग के पंजीकरण के क्लीनिक संचालन की अनुमति नहीं है। इसके बावजूद बेवाना क्षेत्र में झोलाछाप डॉक्टर बेखौफ होकर इलाज कर रहे हैं। ग्रामीण इलाकों में इनकी संख्या अधिक बताई जा रही है, जहां मरीज मजबूरी में इन पर निर्भर हैं।

> स्वास्थ्य से जुड़े कानून और नियम बेवाना क्षेत्र में प्रभावी रूप से लागू होते नहीं दिख रहे। अवैध क्लीनिकों पर कार्रवाई के लिए जिम्मेदार अधिकारी मौन साधे हुए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो यह स्थिति किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है।

स्वतंत्रता आंदोलन के गुमनाम नायक महावीर नट को दी गई श्रद्धांजलि

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। देश के स्वाधीनता आंदोलन में जमीनी स्तर पर अहम भूमिका निभाने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानी महावीर नट का योगदान अविस्मरणीय रहा है। यह बात जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष रामकुमार पाल ने कही। वह बुधवार को महावीर नट की जयंती के अवसर पर उनके पैतृक गांव नैली में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम का आयोजन महावीर नट के आश्रितों और वंशजों की ओर से किया गया। जयंती के अवसर पर उनके समाधि स्थल पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सभा को संबोधित करते हुए रामकुमार पाल ने कहा कि महावीर नट उन गुमनाम स्वतंत्रता सेनानियों में शामिल थे, जिन्होंने पर्दे के पीछे रहकर अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष किया। उन्होंने ब्रिटिश सेना की

गतिविधियों पर नजर रखकर क्रांतिकारियों तक महत्वपूर्ण सूचनाएं पहुंचाईं, जिससे आंदोलन को मजबूती मिली। उन्होंने कहा कि ऐसे सेनानियों का इतिहास में समुचित उल्लेख न होना दुर्भाग्यपूर्ण है, जबकि उनका योगदान स्वतंत्रता आंदोलन की नींव को मजबूत करने वाला रहा।

कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी के आयोजक शंकर नट, उपाध्यक्ष राजबहादुर मिश्र, ब्लॉक अध्यक्ष अकबरपुर मो जियाउद्दीन अंसारी, मनजीत राजभर, जैसराज गौतम, प्रधान नैली आकाश वर्मा, चंद्रभान राजभर, गुरुदयाल, राम लखन नट, असलम नट और सकंटा वर्मा ने संयुक्त रूप से कहा कि महावीर नट का जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है।

सम्पादकीय

बन गई बिगड़ी बात, भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील फाइनल

अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ को 18 प्रतिशत किए जाने की घोषणा और उसका भारतीय प्रधानमंत्री की ओर से स्वागत करने से यह स्पष्ट हो गया कि आखिरकार डोनाल्ड ट्रंप को यह आभास हो गया कि भारत उनके अनुचित दबाव में झुकने वाला नहीं है। उन्होंने भारत को दबाव में लेने के लिए तमाम जतन किए, लेकिन वे इसलिए नाकाम रहे, क्योंकि भारत ने उनसे उलझने के स्थान पर संयम और दृढ़ता का परिचय दिया।

18 प्रतिशत टैरिफ का मतलब है कि भारत अमेरिका से व्यापार के मामले में अपने कई प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले बेहतर स्थिति में होगा। ट्रंप ने भारत पर लगाए गए पारस्परिक टैरिफ को 25 से 18 प्रतिशत तो किया ही, रूस से तेल खरीदने के कारण लगाए गए अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ को पूरी तरह हटाया भी। उन्होंने इसी के साथ यह भी कहा कि भारत अब वेनेजुएला से तेल खरीदेगा और रूस से तेल आयात बंद करेगा। उनकी इस घोषणा के पहले भारतीय प्रधानमंत्री की वेनेजुएला की राष्ट्रपति से बात हुई थी। शायद इसके बाद ही अमेरिका से व्यापार समझौते को लेकर बिगड़ी बात बनी। यदि भारत को उचित मूल्य पर वेनेजुएला से तेल मिलता है तो इसमें हर्ज नहीं। आखिर वह पहले भी उसके साथ-साथ ईरान से तेल खरीदता ही था। भारत के लिए यह संभव नहीं था कि वह रूस से तेल खरीद का विकल्प मिले बिना उससे तेल लेना बंद कर देता। देखना है कि भारत को उतना तेल वेनेजुएला से मिल पाता है या नहीं, जितना वह रूस से लेता था? इसके साथ ही इस प्रश्न का उत्तर भी सामने आना शेष है कि क्या भारत को अमेरिकी वस्तुओं पर टैरिफ शून्य करना होगा और क्या अमेरिका से 500 अरब डालर की खरीद करनी होगी, जैसा कि ट्रंप कह रहे हैं। वास्तव में कई सवालों के जवाब तभी सामने आएंगे, जब व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होंगे, लेकिन इतना तो है ही कि अमेरिका से व्यापार का जो दरवाजा बंद सा हो गया था, वह खुल गया और भारत के तीव्र विकास का मार्ग प्रशस्त हो गया। अब देश में कारोबारी माहौल सुधरेगा। शेयर बाजार ने इसके संकेत देने भी शुरू कर दिए हैं। चूंकि ट्रंप बढ़-चढ़कर दावा करते रहते हैं, इसलिए यह मानकर चला जाना चाहिए कि अमेरिका से व्यापार समझौता ठीक वैसा नहीं होगा, जैसा वे कह रहे हैं। इसका संकेत वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के इस कथन से मिलता है कि भारत अपने प्रतिस्पर्धियों से बेहतर व्यापार समझौता करने जा रहा है। अच्छा हो कि इस समझौते को अंतिम रूप देते समय अमेरिका को यह संदेश दे दिया जाए कि उसने पिछले छह माह में भारत से जैसा व्यवहार किया, उसके चलते उस पर भरोसा डिगा है।

कैसे बचेगा मेडिकल किडनैपिंग से हिंदुस्तान ?

निजी अस्पताल, भय और राज्य की चुप्पी

> अभिनव वर्मा की माँ की कहानी हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या भारत में इलाज का अधिकार धीरे-धीरे एक महँगा सौदा बनता जा रहा है और यदि ऐसा है तो राज्य की भूमिका केवल दर्शक बने रहने की नहीं हो सकती।

भारत में निजी स्वास्थ्य सेवाओं को लंबे समय तक सरकारी व्यवस्था की विफलताओं का विकल्प माना गया लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यह धारणा तेज़ी से बदली है। आज बड़े कॉरपोरेट अस्पताल केवल इलाज के केंद्र नहीं रहे बल्कि वे ऐसे संस्थान बनते जा रहे हैं जहाँ चिकित्सा निर्णय और व्यावसायिक लक्ष्य के बीच की रेखा धुंधली होती जा रही है। इसी पृष्ठभूमि में "मेडिकल किडनैपिंग" जैसा शब्द आम बोलचाल में प्रवेश कर रहा है।

बेंगलुरु के एक प्रतिष्ठित निजी अस्पताल में घटित घटना इस बदलती सच्चाई को समझने के लिए पर्याप्त है।

एक मामूली बीमारी और चिकित्सा निर्णयों की श्रृंखला

अभिनव वर्मा की माँ, जिनकी आयु लगभग 50 वर्ष थी, पेट दर्द की शिकायत के साथ अस्पताल पहुँचीं। प्रारंभिक जाँच के बाद उन्हें गॉल ब्लैडर में पथरी होने की जानकारी दी गई और एक साधारण ऑपरेशन की सलाह दी गई। कुछ दिन बाद दर्द दवाओं से नियंत्रित हो गया और वे सामान्य जीवन में लौट आईं।

इसके बावजूद अस्पताल की ओर से यह कहकर दोबारा बुलाया गया कि पथरी का रहना गंभीर जोखिम पैदा कर सकता है और कैंसर की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। भय और अनिश्चितता के वातावरण में आगे की जाँचें कराई गईं— ERCP, एंडोस्कोपी और बायोप्सी। सभी जाँचों की रिपोर्ट नकारात्मक आई।यहीं से प्रश्न उठता है कि नकारात्मक रिपोर्ट के बाद भी उपचार की दिशा क्यों नहीं बदली।ICU और जटिलताओं का रहस्य

जाँच प्रक्रियाओं के बाद रोगी की हालत अचानक बिगड़ने लगी। गॉल ब्लैडर ऑपरेशन टाल दिया गया और उन्हें ICU में भर्ती कर दिया गया। भर्ती के समय तक लिवर, किडनी, हृदय और रक्त संबंधी सभी रिपोर्ट सामान्य थीं। इसके बाद क्रमशः बताया गया कि लिवर प्रभावित हो गया है, किडनी फेल हो रही है, डायलिसिस की आवश्यकता है और अंततः पेसमेकर लगाया गया। इन जटिलताओं के कारणों पर परिवार को कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई। इलाज जारी रहा लेकिन संवाद सीमित होता गया। चिकित्सा निर्णयों की पारदर्शिता का अभाव इस पूरे मामले का सबसे चिंताजनक पक्ष रहा।

आर्थिक दबाव और असंतुलित शक्ति संबंध

लगभग पचास दिनों तक ICU में रहने के दौरान खर्च असाधारण स्तर तक पहुँच गया। अस्पताल और दवाइयों पर कुल मिलाकर पचास लाख रुपये से अधिक की राशि व्यय हुई। कई मौकों पर उपचार को आगे बढ़ाने के लिए तत्काल भुगतान की शर्त रखी गई। यह स्थिति एक व्यापक प्रश्न को जन्म देती है—जब मरीज ICU में हो और परिवार मानसिक रूप से टूट चुका हो, तब "सहमति" वास्तव में कितनी स्वतंत्र होती है?

मृत्यु के बाद सामने आया सच

माँ के निधन के बाद परिजनों ने एक स्वतंत्र चिकित्सा जाँच की मांग की। कठिनाई से अनुमति मिलने पर जो निष्कर्ष सामने आया, उसने पूरे उपचार क्रम को संदेह के घेरे में डाल दिया। रिपोर्ट के अनुसार, रोगी के गॉल ब्लैडर में कभी पथरी थी ही नहीं।

यह निष्कर्ष केवल एक व्यक्ति या एक परिवार के साथ हुए अन्याय का प्रश्न नहीं है। यह उस प्रणाली पर प्रश्नचिह्न लगाता है जिसमें प्रारंभिक जाँच से लेकर अंतिम उपचार तक की हर कड़ी पर व्यावसायिक हित हावी होने का आरोप लगाया जा रहा है।

नीतिगत विफलता और नियमन का अभाव

स्वास्थ्य एक ऐसा क्षेत्र है जहाँ उपभोक्ता और प्रदाता के बीच सूचना का अंतर अत्यधिक होता है। इसी कारण यह क्षेत्र सख्त नियमन की मांग करता है लेकिन निजी अस्पतालों के संदर्भ में भारत में यह नियमन या तो अपर्याप्त है या प्रभावहीन।

राज्य सरकारों और केंद्र सरकार—दोनों की जिम्मेदारी बनती है कि वे यह सुनिश्चित करें कि चिकित्सा निर्णय चिकित्सा विज्ञान पर आधारित हों न कि राजस्व लक्ष्यों पर। ICU ऑडिट, अनिवार्य सेकेंड ओपिनियन और स्वतंत्र मेडिकल समीक्षा बोर्ड जैसी व्यवस्थाएँ अब विलासिता नहीं बल्कि आवश्यकता बन चुकी हैं। यह लेख किसी एक अस्पताल के विरुद्ध आरोप पत्र नहीं है। यह उस चुप्पी के विरुद्ध प्रश्न है जो निजी स्वास्थ्य सेवाओं में बढ़ती असंवेदनशीलता और अपारदर्शिता के साथ समानांतर बढ़ रही है। यदि स्वास्थ्य व्यवस्था में भरोसा ही समाप्त हो जाए, तो उसका सामाजिक प्रभाव किसी भी अन्य संस्थागत विफलता से कहीं अधिक गंभीर होगा।

-अशोक कुमार झा

धौलपुर-करौली टाइगर...

प्रदीप कुमार वर्मा

सुखद : चंबल के बीहड़ में बढ़ा बाघों का कुनबा

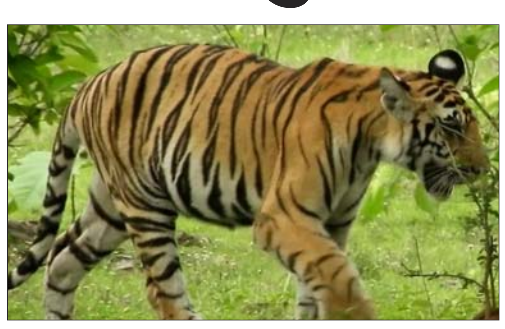

पूर्वी राजस्थान के धौलपुर और करौली जिलों में डकैतों की शरणस्थली के रूप में देश और दुनिया में चर्चित चंबल के बीहड़ में अब बाघ के नन्हे ₹शावक₹ की किलकारी गूंज रही है। चंबल के बीहड़ में स्थित धौलपुर-करौली टाइगर रिजर्व में एक बाघिन ने एक नन्हे शावक को जन्म दिया है। इसके बाद धौलपुर-करौली टाइगर रिजर्व में बाघों की संख्या बढ़कर अब दस हो गई है। देश एवं प्रदेश के वन एवं पर्यावरण प्रेमियों के लिए एक सुखद खबर है। धौलपुर–करौली टाइगर रिज़र्व में बाघिन टी-117 ने एक शावक को जन्म दिया है। राजस्थान के वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने भी अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इस तस्वीर को साझा किया है। धौलपुर करौली-टाइगर रिजर्व में टाइगर का कुनबा बढ़ने के बाद अब पर्यटकों को इस रिजर्व क्षेत्र में अधिक टाइगर देखने को मिलेंगे। वहीं, यह रिज़र्व क्षेत्र में बाघों के सफल संरक्षण और अनुकूल आवास का सकारात्मक संकेत भी है।

बीते दिनों बाघिन टी-117 व उसके एक शावक धौलपुर- करौली टाइगर रिज़र्व के जंगलों में देखे गए हैं। मकर संक्रांति के दिन रिज़र्व क्षेत्र की बाघिन टी-117 ने एक शावक को जन्म दिया है। विभाग के कैमरे में बाघिन टी-117 अपने नवजात शावक के साथ जंगल में विचरण करती हुई देखी गई है। जंगल मे बाघिन बादली टी-117 के साथ शावक देखे जाने के बाद मूवमेंट स्थल पर कड़ी निगरानी बढाकर वनकर्मियों की टीम तैनात कर दी गई हैं। डीएफओ डॉ. आशीष व्यास ने बताया कि वर्ष 2023 में धौलपुर जिले के सरमथुरा उपखंड क्षेत्र के झिरी फारेस्ट ऐरिया में बीते दिनों बाधिन टी 117 के द्वारा तीन शावकों को जन्म दिया था। इससे दो वर्ष पहले वर्ष 2021 में बाधिन टी-117 दो शावकों को जन्म दिया था। इस प्रकार यह बाघिन धौलपुर–करौली टाइगर रिज़र्व में बाघों के कुनबे को बढ़ा चुकी है जिससे आने वाले समय में टाइगर रिजर्व में पर्यटन को पंख लगेंगे। वर्तमान में इसके दो शावक, जिनकी पहचान डीकेटी-2501 एवं डीकेटी-2502 के रूप में की गई है। इस नए शावक के आने के साथ ही धौलपुर-करौली टाइगर रिजर्व क्षेत्र में टाइगरों की कुल संख्या बढ़कर दस हो गई है जिनमें तीन शावक शामिल हैं। डॉ. आशीष व्यास ने बताया बाघ रिज़र्व क्षेत्र में सुरक्षित रूप से विचरण कर रहे हैं। यह उपलब्धि धौलपुर–करौली टाइगर रिज़र्व में अनुकूल प्राकृतिक आवास, सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था, सतत निगरानी, कैमरा ट्रैप मॉनिटरिंग तथा फील्ड स्टाफ के समर्पित प्रयासों का प्रतिफल है। बाघों की निरंतर प्रजनन सफलता यह दर्शाती है कि रिज़र्व क्षेत्र वन्यजीव संरक्षण के लिए सुरक्षित एवं अनुकूल बनता जा रहा है। वन विभाग द्वारा बाघिन एवं उसके शावकों की गतिविधियों पर सतत निगरानी रखी जा रही है तथा क्षेत्र में सुरक्षा एवं संरक्षण व्यवस्था को और अधिक मजबूत किया गया है। इससे वन्यजीवों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सकेगा । धौलपुर–करौली टाइगर रिज़र्व में बाघों के कुनबे में हो रही यह वृद्धि न केवल राजस्थान बल्कि सम्पूर्ण देश में बाघ संरक्षण प्रयासों के लिए एक सकारात्मक संकेत है। राजस्थान के सवाई माधोपुर में बने रणथंभौर अभयारण्य में बाघों की संख्या में बढ़ोतरी होने के बाद में राजस्थान के ही धौलपुर जिले के सरमथुरा और करौली को जोड़कर नया टाइगर रिजर्व बना है। धौलपुर-करोली के रूप में नए टाइगर रिजर्व के बनने से बाघों की मूवमेंट के लिए धौलपुर सरमथुरा-करौली क्षेत्र में नया टाइगर रिजर्व का एरिया मिल गया है। धौलपुर सरमथुरा-करौली टाइगर रिजर्व का कुल एरिया 1058 वर्ग किमी है। इसमें 368 वर्ग किलोमीटर का कोर एरिया और 690 वर्ग किलोमीटर का बफर जोन है। धौलपुर करौली टाइगर रिजर्व में बाघों की संख्या बढ़ने के बाद आने वाले दिनों में यहां पर्यटन संख्या बढ़ाने की पूरी उम्मीद है।

धौलपुर-करौली टाइगर रिज़र्व धौलपुर और करौली के वन क्षेत्रों को कवर करता है, जिसमें पूर्व में डांग क्षेत्र, धौलपुर वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी और करौली वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी शामिल हैं। यह बाघों की आबादी बढ़ाने और सुरक्षित कॉरिडोर प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र भी है जो सीधे रणथंभौर से जुड़ा है। यह क्षेत्र अपने चट्टानी परिदृश्य, डांग क्षेत्र की पहाड़ियों और घने जंगलों के लिए जाना जाता है जिससे बाघों को उनकी पसंद का आवासीय एवं मूवमेंट का क्षेत्र मिल रहा है।

भारत को ...

जगदीश मिश्र

डील हो गई पर डिटेल रह गई

सनक पर अंततः धैर्य और कूटनीति की विजय हुई। अमेरिका के राष्ट्रपति ने भारत पर लगाए गए टैरिफ को 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने की घोषणा कर दी।

ट्रम्प की इस घोषणा से दुनिया के तमाम देशों में खलबली मच गई है। दरअसल यह भारत की एक बड़ी रणनीतिक जीत है जिसका किसी को पूर्वानुमान भी नहीं था।

भारत को झुकाने की ट्रम्प की तमाम कोशिशें उल्टे ट्रम्प और अमेरिका पर ही भारी पड़ती दिखने लगी थी। भारत ने अमेरिका के सामने घुटने टेकने की जगह दूसरे विकल्पों की तरफ रुख किया और रूस सहित तमाम यूरोपीय देशों ने भी भारत व्यावसायिक सम्बन्ध बनाने में देर नहीं की। यहीं शायद ट्रम्प को अपनी भूल का अहसास हो गया और अमेरिका ने भारत की कूटनीति के समक्ष समर्पण कर दिया। हालिया घटनाक्रम से एक तरफ निश्चित ही ट्रम्प और अमेरिका की किरकिरी हुई है तो दूसरी ओर भारत एक दूरदर्शी, स्वाभिमानी और दृढ़ नेतृत्व के बल पर सारी दुनिया में एक विजेता के रूप में दुनिया के सामने दिख रहा है। यह भारत पिछलग्गू भारत नहीं है। यह नया भारत है जो देश के सम्मान और जनहित को ही सबसे ऊपर रखता है।

भारत का विपक्ष भारत और मोदी की इस जीत को पचा नहीं पा रहा। शायद विपक्ष मोदी को ट्रम्प के सामने झुकते और गिड़गिड़ाते देखना चाहता था जिससे उसको ताली बजाने और मोदी को गाली देने का मौका मिलता।

विपक्ष को शायद गहरा सदमा लगा है तभी तो वह भारत की जीत पर खुश होने के बजाय अमेरिका और भारत के बदल रहे रिश्तों को लेकर अलग ही राग अलाप रहा है।विपक्ष का कहना है कि यह घोषणा ट्रम्प द्वारा क्यों की गई। प्रधानमंत्री मोदी ने यह घोषणा क्यों नहीं की। सामने वाला थूके और आप साफ करें, इसमें देश का सम्मान है या थूकने वाले को को मजबूर कर उसका थूका चाटने को उसे ही मजबूर कर दिया जाए, इससे हमारा मान-सम्मान बढ़ता है?

लेकिन विपक्ष तो विपक्ष है, वह बना ही विरोध करने के लिए है। शायद वह ऐसे आचरण को ही अपनी उपलब्धि समझता है।

राज्जू भैया: जब विज्ञान ने राष्ट्र-निर्माण का मार्ग चुना

29 जनवरी को जन्मे प्रोफेसर राजेंद्र सिंह—राष्ट्र जीवन में स्नेहपूर्वक राज्जू भैया—उन विरल व्यक्तित्वों में थे जिनका जीवन यह प्रश्न उठाता है कि सफलता की वास्तविक परिभाषा क्या है। एक ओर अंतरराष्ट्रीय ख्याति, अकादमिक शिखर और वैज्ञानिक भविष्य; दूसरी ओर कठिन, अल्प-सुविधाओं वाला किंतु अर्थपूर्ण राष्ट्र-निर्माण का मार्ग। राज्जू भैया ने दूसरा मार्ग चुना—जानबूझकर, विवेकपूर्वक और आजीवन । स्वतंत्र भारत के प्रारंभिक दशकों में, जब विज्ञान और तकनीक को प्रगति का सबसे प्रभावी साधन माना जा रहा था, तब राज्जू भैया एक प्रतिभाशाली भौतिक विज्ञानी के रूप में स्थापित हो चुके थे। प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष के रूप में उनकी तार्किक स्पष्टता और वैज्ञानिक दृष्टि ने उन्हें विशिष्ट स्थान दिलाया। नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. सी. वी. रमन ने उनकी बौद्धिक परिपक्वता से प्रभावित होकर शोध का अवसर दिया, जबकि होमी भाभा की यह टिप्पणी—कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने "आणविक विज्ञान की एक प्रतिभा को छीन लिया"—वस्तुतः उनकी क्षमता की स्वीकारोक्ति थी । 1960 के दशक में, जब अकादमिक प्रतिष्ठा और विदेशी अवसर सर्वोच्च आकांक्षाएँ थीं, राज्जू भैया ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर संघ के माध्यम से राष्ट्र-निर्माण को जीवन-लक्ष्य बनाया। उनका निजी जीवन उनके मूल्यों का ही विस्तार था। प्रयागराज स्थित पैतृक आवास को निजी संपत्ति मानने के बजाय उन्होंने उसे शिक्षा कार्य के लिए समर्पित कर दिया। संघ में उन्होंने नेतृत्व को पद नहीं, उत्तरदायित्व के रूप में जिया। उनका विश्वास था कि सामाजिक परिवर्तन का केंद्र गाँव, बस्ती और विद्यालय हैं। आज, जब सफलता को पैकेज और पद से आँका जाता है, राज्जू भैया का जीवन स्मरण कराता है कि राष्ट्र की वास्तविक शक्ति त्याग, अनुशासन और विचारशील नेतृत्व से निर्मित होती है। उस संवाद में भारतीयता, धर्म, मुस्लिम समाज की धार्मिक एवं राष्ट्रीय पहचान, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वाभिमान-बोध, हिंदू शासन परंपरा तथा राष्ट्र की साझा पहचान जैसे विषयों पर सार्थक और विचारोत्तेजक चर्चा हुई।

गजेंद्र सिंह

जरा हटके

आज जब जीवन ...

बाबूलाल नागा

व्हाट्सएप निमंत्रण : सुविधा के साथ संवेदना भी जरूरी

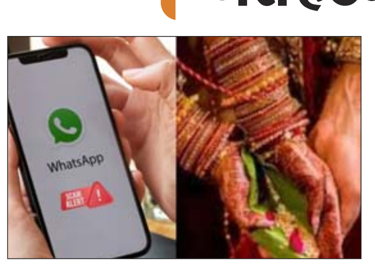

समय के साथ समाज बदला है और उसके साथ बदल गया है हमारे आपसी संवाद का तरीका भी। एक दौर था जब शादी-ब्याह, गृहप्रवेश या किसी अन्य पारिवारिक कार्यक्रम का निमंत्रण स्वयं घर आकर दिया जाता था। वह कार्ड केवल सूचना नहीं होता था बल्कि रिश्तों की औपचारिक अभिव्यक्ति होता था। दो शब्दों का आग्रह— "जरूर आना"—सामने वाले को यह एहसास दिलाने के लिए काफी होता था कि उसकी उपस्थिति महत्वपूर्ण है। आज वही निमंत्रण व्हाट्सएप के माध्यम से भेजा जा रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं कि यह तरीका सुविधाजनक है, समय और संसाधनों की बचत करता है। बदलते दौर में तकनीक को नकारा भी नहीं जा सकता लेकिन प्रश्न यह है कि क्या सुविधा के साथ वह संवेदना भी बनी रह पा रही है जो रिश्तों की आत्मा होती है?

अक्सर देखा जाता है कि व्हाट्सएप पर कार्ड भेजने के बाद कोई फोन या व्यक्तिगत संवाद नहीं होता। ऐसे में आम व्यक्ति के मन में असमंजस पैदा होता है— क्या यह वास्तविक निमंत्रण है या केवल औपचारिक सूचना? क्या हमारी उपस्थिति वास्तव में अपेक्षित है या नहीं? यह स्थिति किसी को असहज कर देती है। पहले मेहमानों से संपर्क कर यह पूछा जाता था कि वे कब और कैसे पहुंचेंगे। आज कई बार केवल यह देखा जाता है कि संदेश 'देखा गया' या नहीं। संवाद की यह कमी रिश्तों में एक अनकहा फासला पैदा कर रही है।

व्हाट्सएप निमंत्रण कई बार ब्रॉडकास्ट सूची में भेजे जाते हैं। एक ही संदेश अनेक लोगों तक पहुंच जाता है लेकिन व्यक्तिगत आग्रह का भाव कहीं खो जाता है। जब ऐसे निमंत्रण पर कोई व्यक्ति कार्यक्रम में नहीं पहुंच पाता तो बाद में यह कह दिया जाता है— "कार्ड तो भेजा था।" यह वाक्य सुनने में सामान्य लगता है लेकिन यहीं से संवाद की कमी उजागर हो जाती है।

सच यह है कि कार्ड भेजना और दिल से बुलाना—दोनों अलग बातें हैं। कार्ड सूचना देता है जबकि आग्रह अपनापन जताता है। तकनीक सूचना दे सकती है लेकिन अपनापन अब भी इंसानी आवाज में ही झलकता है।

यह कहना भी उचित नहीं होगा कि हर व्हाट्सएप निमंत्रण औपचारिक ही होता है। कई लोग पूरी संवेदनशीलता के साथ फोन भी करते हैं, हालचाल भी पूछते हैं और डिजिटल माध्यम को केवल एक सहायक साधन की तरह उपयोग करते हैं। दरअसल, आवश्यकता इस संतुलन की है। आज जब जीवन की गति तेज है तो यह स्वाभाविक है कि सभी के पास समय की कमी हो। लेकिन रिश्तों में समय न देना ही अगर सामान्य व्यवहार बन जाए तो यह चिंता का विषय है। एक छोटा-सा फोन कॉल, दो मिनट की बातचीत, सामने वाले को यह विश्वास दिला सकती है कि उसकी मौजूदगी मायने रखती है। यह लेख किसी व्यवस्था या तकनीक के विरोध में नहीं है। यह केवल यह स्मरण कराने का प्रयास है कि सुविधाओं के बीच संवेदनाओं को न खोया जाए। व्हाट्सएप निमंत्रण भेजना गलत नहीं लेकिन उसके साथ संवाद जोड़ देना रिश्तों को जीवित रखता है।

विश्व कैंसर दिवस

मन में यह जिज्ञासा पैदा हो सकती हैं कि कैंसर क्यों होता हैं? इसके कारण क्या है ? आदि - आदि जों आखिर विश्व में भिन्न- भिन्न तरह के हमको कैंसर देखने को मिलते हैं । टाटा इंस्टीट्यूट मुम्बई के डॉक्टर ने (नाम मेरी स्मृति में नहीं है) मुझे कहा था कि खान- पान स्वास्थ्य आदि- आदि कारणों से आज भिन्न- भिन्न तरह के कैंसर के मरीज आते हैं । वह समय पर कितनों को बीमारी के बारें में मालूम ही नहीं पड़ता है जिसका डॉक्टर के पास भी इलाज पूरा बीमारी का करने का विकल्प नहीं रहता हैं । और है जितने अपने जीवन में इस असाध्य बीमारी से ग्रसित हो जातें हैं । वह जिनका समय पर ही मालूम हो जाता हैं उनका इलाज करना सम्भव हो जाता हैं । स्वस्थ रहने के लिए आजकल कई बातों पर ध्यान दिया जाता है । जैसे प्रातः भ्रमण, समय पर निद्रा में रमण , व्यायाम, भागदौड़ के खेल-कूद, यथा फुटबॉल , वॉली बॉल, क्रिकेट, बास्केटबॉल, बैडमिंटन आदि-आदि। वह स्वास्थ्यप्रद खान-पान व विटामिन आदि का सेवन भी अचूक साधन समझे जाते हैं। ये सब भी करते हुए हम देखते हैं स्वास्थ्य सही नहीं रहता है । क्योंकि स्वस्थता के लिए केवल ये ही काफी नहीं हैं । भावनात्मक स्वास्थ्य सही रखने के लिए जरूरत एक और मुख्य खुराक की भी हैं । वह मनः शान्ति , आत्म-शान्ति एवं हास्य की खुराक भी है । ये सब जब आती हैं तो ध्यान, प्राणायाम,योग आदि का नियमित सुयोग हो। शुद्ध हवा-पानी-पृथ्वी-वायु-वनस्पति आदि मे तो सुबह घर और मन के द्वार की साँकल ख़ुशियों की किरण से आँगन में जगमगाएगी ।जीवन का मुख्य आधार खान-पान है । सुस्वाथ्य के लिए शुद्ध, सात्विक, सीमित और स्वास्थ्यप्रद खान-पान आदि हो । केवल स्वाद के लिए ही हम खाएंगे तो डॉक्टर के कमाऊ पूत बन कर रह जाएँगे और कष्ट भी पाएँगे। पूर्वजों का बहुत सुन्दर कथन है जिसके लिए उन्हें नमन करते हैं कि स्वस्थ रहने के लिए क्षुधा से कम खाना। सुख-शांति के लिए नम जाना और प्रसन्न रहने के लिए गम खाना हैं । पर विडंबना है आजकल अधिकांशतः जीने के लिए नहीं खाते हैं, खाने के लिए जीते हैं। समझें ! शुद्ध, सात्विक आहार से ही सुस्वाथ्य व सुंदर विचारधारा का मूल बना रहता है , जिसे ओज कहते हैं । ओज के लिए स्वास्थ्यप्रद समुचित भोज चाहिए । एक अदृश्य बात है कि न्याय व नीति से अर्जित अन्न व प्रेम से पकाया हुआ भोजन का बहुत महत्व है जो हमारा स्वास्थ्य ठीक रखता है। इसीलिए कहा जाता है कि जैसा खाए अन्न, वैसा ही मन बनता हैं ।

> प्रदीप छाजेड़

सहारनपुर में कबाड़ी बनकर 1 महीने रेकी, चोरी के लिए खराब मौसम चुना

कैरेटलेन ज्वेलरी शोरूम से 2 करोड़ एक परिवार ने चुराए

खुलासा

तमसा संकेत, एजेंसी

सहारनपुर। करीब 1 महीने से कबाड़ी बनकर शोरूम की रेकी की। चोरी करने के लिए खराब मौसम का दिन चुना, ताकि किसी तरह की हलचल कोई समझ न सके। छत के रास्ते घुसकर मैंने चोरी की। सीसीटीवी कैमरों से बचने के लिए चेहरे पर नकाब लगाया।

ये कहना है मुख्य आरोपी इरशाद उर्फ काला का, जिसने अपने परिवार के साथ मिलकर सहारनपुर में ज्वैलरी शोरूम कैरेटलेन में करीब 2 करोड़ की चोरी की। पुलिस ने 2000 से

पुलिस द्वारा पकड़े गए आरोपी।

अधिक CCTV कैमरों की फुटेज खंगालने के बाद 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनमें 2 पुरुष और 3 महिलाएं शामिल हैं। सभी एक ही परिवार के हैं। मामले में 4 आईपीएस अधिकारी, सर्विलांस टीम के साथ-साथ सदर पुलिस टीम ने

छत के रास्ते पहुंचा शोरूम, ग्लेंडर से लगाई सेंध

इरशाद ने पुलिस पूछताछ में बताया- मैं एक दिन पहले पास की बिल्डिंग से छत के रास्ते शोरूम की छत पर पहुंच गया था। छत पर शराब पी, खाना खाया। इसके बाद बिजली की केबल काटकर इलेक्ट्रिक कटर से छत और दरवाजे काटे। फिर ग्लेंडर से दीवार काटकर शोरूम में घुसा। इसके बाद शोरूम के अंदर घुसकर आभूषण और नकदी चोरी कर ली। सीसीटीवी कैमरों से बचने के लिए इरशाद ने चेहरे पर नकाब लगाया था। बाहर निकलते समय पहचान छिपाने के लिए चाल बदलकर चलने की भी कोशिश की गई थी।

संयुक्त कार्रवाई की। पुलिस ने 67 ब्रेसलेट, 17 मंगलसूत्र, 32 जोड़ी बाली, दो गले के सेट, 18

पेंडेंट, 90 अंगूठियां, 32 चैन, 11 चूड़ियां, 45,100 रुपए नकद और 40 पीस आर्टिफिशियल आभूषण बरामद किए हैं। मामला 22 जनवरी का सदर बाजार में दिल्ली रोड पर कैरेटलेन डायमंड शोरूम का है। कैरट लेन डायमंड शोरूम में 22 जनवरी की रात चोरों ने दीवार काटकर चोरी की। चोर 2 लाख कैश और करोड़ों रुपए के गहने चुराकर भाग गए। घटना की जानकारी 23 जनवरी शुक्रवार सुबह 7 बजे हुई। शोरूम के ठीक बगल में बनी सेनेटरी शॉप वाले ने इसकी जानकारी दी। इसके बाद शोरूम के मैनेजर अंकित मुखर्जी ने पुलिस को शिकायत दी। जिसके आधार

सभी आरोपी एक ही परिवार के

पुलिस ने इस मामले में इरशाद उर्फ काला, दिलशाद, काली, सीमा और सलमा को गिरफ्तार किया है। इरशाद और दिलशाद दोनों सगे भाई हैं। सीमा दिलशाद की पत्नी है। काली दिलशाद और इरशाद की मां है। वहीं, सलमा भी इनकी रिश्तेदार है। इस गैंग की सरगना इनकी मां काली है, जो पूरे नेटवर्क को लीड करती है। इस परिवार का नेटवर्क उत्तराखंड समेत अन्य राज्यों तक फैला हुआ है। गिरोह में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी के चलते इसे 'काली गैंग' के नाम से जाना जाता है।

पर थाना सदर बाजार पुलिस और स्वाट-सर्विलांस की संयुक्त टीम ने जांच शुरू की। एसएसपी आशीष तिवारी ने बताया- पुलिस ने सहारनपुर और आसपास के इलाकों में करीब 2000 से अधिक CCTV कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच के दौरान उत्तराखंड के रुड़की, कलियर और भगवानपुर क्षेत्रों में आरोपियों के होने के जानकारी मिली।

राज्य स्तरीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में सत्या प्रथम

तमसा संकेत, संवाददाता

रामनगर, बाराबंकी । अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा आयोजित भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा 2025 में गायत्री चिल्ड्रेन एकेडमी, रामनगर की छात्रा सत्या ने राज्य स्तरीय प्रवीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया।

इस उपलब्धि पर विद्यालय में हर्षोल्लास का माहौल रहा। प्रबंधक डॉ. संजय तिवारी व शिक्षकों ने छात्रा को बधाई देते हुए इसे संस्कारपरक शिक्षा का परिणाम बताया। गायत्री परिवार समन्वयक दिनेश बाजपेई ने प्रशस्ति पत्र व ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। विद्यालय परिवार ने सत्या के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

फास्ट न्यूज

भाजपा नेता को बदमाशों ने सरेआम गोली मारी

गोरखपुर। गोरखपुर में भाजपा नेता को बाइक सवार बदमाशों ने गोली मार दी। गोली उनकी पीठ में लगी, जिससे वह जमीन पर गिर पड़े। फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर दौड़कर पहुंचे। वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश फरार हो गए। यह घटना मंगलवार रात गगहा थाना क्षेत्र के भैंसहा गांव की है। भाजपा नेता आरएसएस के एक कार्यक्रम में शामिल होकर लौट रहे थे।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने ममता बनर्जी के फैसले को बताया सही

वाराणसी । स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने SIR मामले पर अपना बयान दिया है। उन्होंने कहा- बंगाल में ममता बनर्जी नाराज है या कोई नाराज है, हम इस बारे में तो कुछ नहीं कहेंगे, लेकिन हम ये जरूर कहना चाहते हैं कि अगर किसी का वोट काटा जा रहा है या बढ़ाया जा रहा है तो वो तर्कसंगत होना चाहिए। इससे जो अपना चुनाव आयोग है, उसकी निष्पक्षता पर प्रश्न चिन्ह लगता है। इसलिए चुनाव आयोग को निष्पक्ष होना चाहिए और अगर कहीं से कोई शिकायत की जा रही है, तो उस पर पूरा ध्यान देकर के तत्काल समस्या को दूर करना चाहिए।

'सहमति से सेक्स अपराध नहीं, लड़के की मंशा ठीक थी'

लखनऊ/प्रयागराज। नोएडा की लड़की ने जोधपुर में LLM की पढ़ाई के लिए कॉलेज में दाखिला लिया। वहां एक लड़के से मुलाकात हुई। दोनों दोस्त बन गए। ये दोस्ती प्यार में बदल गई। दोनों ने तय किया कि आगे चलकर शादी करेंगे। दोनों साथ रहने लगे, इस दौरान संबंध भी बने। फिर अचानक दोनों में किसी बात को लेकर विवाद हुआ और रिश्ता टूट गया।

दिन में बंद मिली गंगवल बजार की पुलिस चौकी

बहराइच में पुलिस व्यवस्था पर सवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

बहराइच । बहराइच जनपद के विशेश्वरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत गंगवल पुलिस चौकी की कार्यप्रणाली उस समय सवालों के घेरे में आ गई, जब चौकी दिनदहाड़े बंद पाई गई। बताया गया कि सुबह करीब साढ़े दस बजे चौकी के मुख्य द्वार पर ताला लटका हुआ था और मौके पर एक भी पुलिसकर्मी मौजूद नहीं था। सुरक्षा के नाम पर पूरी चौकी में सन्नाटा पसरा रहा।

न्याय की आस लेकर चौकी पहुंचे फरियादियों को काफी देर इंतजार करना पड़ा, लेकिन जब कोई पुलिसकर्मी नहीं मिला तो उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि दिन के समय चौकी का बंद होना गंभीर लापरवाही को दर्शाता है और इससे क्षेत्र की कानून-व्यवस्था पर सीधा असर पड़ता है।

चौकी में ताला लगे होने का वीडियो किसी ग्रामीण ने मोबाइल से रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर डाल दिया, जो देखते ही देखते वायरल हो गया। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। ग्रामीणों में इस घटना को लेकर भारी आक्रोश है और वे पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रहे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जब दिन में पुलिस चौकी बंद रहती है, तो किसी आपात स्थिति या वारदात के समय आम नागरिक आखिर जाए तो जाए कहां। साथ ही आला अधिकारियों की निगरानी व्यवस्था पर भी प्रश्नचिह्न लग रहा है।

शिक्षा से संवरेगा भविष्य

सूरतगंज क्षेत्र शिक्षा चौपाल बनी अभिभावकझ्शिक्षक संवाद का सशक्त मंच

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। जिले में शैक्षिक जागरूकता को जनआंदोलन का रूप देने की दिशा में एक सराहनीय पहल के तहत सूरतगंज क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय नंदऊपारा में बुधवार को भव्य शिक्षा चौपाल का आयोजन किया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बाराबंकी नवीन कुमार पाठक के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यालय, शिक्षक और अभिभावकों के बीच संवाद को मजबूत करना तथा बच्चों के सर्वांगीण विकास के प्रति समाज को जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के विधिवत पूजन के साथ हुआ। इसके पश्चात विद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत ने पूरे वातावरण को

कार्यक्रम में विशेष आकर्षण रहे सेवानिवृत्त चिकित्सक राम पदारथ सिंह, जिन्होंने अपनी प्रेरणादायक कविता के माध्यम से छात्रों और अभिभावकों को शिक्षा के प्रति सजग रहने का भावनात्मक संदेश दिया। उनकी कविता ने उपस्थित लोगों को आत्ममंथन के लिए प्रेरित किया।

गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व पर जोर दिया

शिक्षा चौपाल को संबोधित करते हुए ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन, बाराबंकी के जिला महामंत्री दीपक सिंह 'सरल' ने शिक्षा में अनुशासन और गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि "शिक्षकों के हाथ से छड़ी छीनना छात्रों के भविष्य के लिए घातक सिद्ध हो सकता है।" उन्होंने समाज को यह भी संदेश दिया कि माता-पिता और गुरु दोनों ही बच्चों को स्वयं से अधिक सफल देखना चाहते हैं। शिक्षा ही वह मार्ग है जो व्यक्ति को भीड़ से अलग पहचान दिलाती है।

शैक्षिक और सांस्कृतिक ऊर्जा से भर दिया। नन्ही छात्राओं की आत्मविश्वास से भरी प्रस्तुतियों ने यह संदेश दिया कि ग्रामीण अंचल के विद्यालय भी प्रतिभा के केंद्र बन सकते हैं, बशर्ते उन्हें उचित मार्गदर्शन और सहयोग मिले। वरिष्ठ शिक्षक जयराज सिंह ने शिक्षा को जीवन की सबसे सशक्त कुंजी बताते हुए कहा कि यह ऐसी चाबी है जो प्रगति के हर द्वार को खोलने की क्षमता रखती है। वहीं एआरपी संजय सिंह, अनूप कुमार चतुर्वेदी एवं संकर्षण पांडेय ने शिक्षा को जीवन में स्थायित्व, सम्मान और आत्मनिर्भरता का आधार बताया।

अमरोहा में महिला की चाकू से गोदकर हत्या

अमरोहा । अमरोहा में महिला के घर के बाहर उसकी चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। इसके बाद भागकर आरोपी ने खुद को घर में बंद कर लिया। वारदात के बाद वहां परिजनों और ग्रामीणों की भीड़ लग गई। लोग उसे घर से बाहर निकालने की मांग को लेकर प्रदर्शन करने लगे। घटना के बाद गुस्साए परिजनों ने आरोपी के घर में तोड़-फोड़ की। घर के बाहर खड़ी कार तोड़ दी। सूचना मिलते ही एएसपी 5 थानों की फोर्स के साथ वहां पहुंचे। ग्रामीणों ने उनका भी विरोध किया।

पुलिस ने समझा-बुझाकर लोगों को शांत कराया। पुलिस आरोपी को मकान से निकालने की कोशिश कर रही है। शुरुआती जांच में मामला अफेयर से जुड़ा बताया जा रहा। आरोपी राशन डीलर है। महिला के घर के पास उसका भी मकान है। घटना बुधवार दोपहर देहात थाना क्षेत्र के पचोकरा गांव की है।

पचोकरा गांव में नरेंद्र कुमार अपने परिवार के साथ रहते हैं। परिवार में पत्नी रूबी (35) के अलावा 3 बच्चे हैं।

सीसीएसयू के प्राईवेट कालेजों की जांच की मांग को लेकर छात्रों का फूटा गुस्सा

पुलिस से झड़प, कई हिरासत में

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय से संबद्ध निजी कालेजों में कथित भ्रष्टाचार, अवैध शुल्क वसूली और शैक्षणिक अनियमितताओं के विरोध में छात्रों का आंदोलन मंगलवार को उग्र हो गया। मेरठ कालेज से विश्वविद्यालय परिसर की ओर बढ़ रही छात्र रैली को पुलिस ने कमिश्नरी चौराहे के पास गेट पर ही रोक दिया, जिसके बाद छात्रों और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक और झड़प हो गई।

छात्र नेता विजित तालियान के नेतृत्व में निकली रैली में शहर के विभिन्न कालेजों के छात्र शामिल होने वाले थे। सुबह 11 बजे निर्धारित रैली से पहले ही पुलिस ने सुरक्षा कड़ी कर दी थी। छात्रों का कहना है कि वे शांतिपूर्ण ढंग से विश्वविद्यालय परिसर पहुंचकर अपनी मांगें रखना चाहते थे, लेकिन पुलिस ने आगे बढ़ने नहीं दिया। इस दौरान

कई बार धक्का-मुक्की और कहासुनी हुई। अंततः पुलिस ने विजित तालियान सहित अन्य छात्रों को मेरठ कालेज से पकड़कर पुलिस लाइन ले गई। छात्रों का आरोप है कि निजी कालेजों में दो-चार कमरों में बिना योग्य शिक्षकों के पढ़ाई कराई जा रही है और प्रवेश के बाद प्रैक्टिकल फीस, इंटर्नशिप लेटर, फैकल्टी परिवर्तन और अन्य मदों में हजारों रुपये की अवैध वसूली की जा रही है। विश्वविद्यालय स्तर पर जांच समितियां बनने के बावजूद अब तक किसी भी कालेज पर ठोस कार्रवाई नहीं होने का आरोप भी लगाया गया। आंदोलनकारी छात्रों ने यह भी दावा किया कि आंदोलन को कमजोर करने के उद्देश्य से पुलिस ने सोमवार रात से ही अभियान चलाकर कई छात्र नेताओं को लोहियानगर, मेडिकल सहित अन्य थानों में बैठा लिया था।

पिता के बाद बेटे ने भी तोड़ा दम, एक ही परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

सूरतगंज सड़क हादसा

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में पिता और पुत्र दोनों की मौत हो गई। यह हृदय-विदारक घटना 29 जनवरी 2026 को महादेवा–सूरतगंज मार्ग पर बीकेपुर गांव के पास हुई थी। हादसे के बाद जहां पिता की मौके पर ही मौत हो गई थी, वहीं गंभीर रूप से घायल पुत्र ने लखनऊ ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान छह दिन बाद दम तोड़ दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के बैरानामऊ मंझारी स्थित नौबस्ता गांव निवासी 55 वर्षीय संजय कुमार अपने 28 वर्षीय पुत्र लवकुश के साथ बाजार से खरीदारी कर घर लौट रहे थे। इसी दौरान सूरतगंज क्षेत्र के बीकेपुर गांव के पास एक

अज्ञात पिकअप वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि संजय कुमार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि लवकुश गंभीर रूप से घायल हो गया।

हादसे के तुरंत बाद मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने घायल लवकुश को सूरतगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएससी) पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने उसकी हालत नाजुक देखते हुए उसे बाराबंकी जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद लवकुश को बेहतर इलाज के लिए लखनऊ ट्रामा सेंटर भेजा गया।

लखनऊ ट्रामा सेंटर में लवकुश का लगातार इलाज चल रहा था, लेकिन गंभीर चोटों के चलते उसकी हालत में सुधार नहीं हो सका। इलाज के छठे दिन बुधवार को लवकुश ने भी दम तोड़ दिया। पिता के बाद बेटे की मौत की खबर जैसे ही गांव पहुंची, पूरे इलाके में मातम छा गया।

परिवार के लिए सबसे बड़ी त्रासदी

बताया जा रहा है कि संजय कुमार के चार बेटे और दो बेटियां हैं। लवकुश का भी एक छोटा बेटा है। परिवार के लिए सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि संजय कुमार और उनका पुत्र लवकुश ही परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। दोनों की मौत के बाद परिवार पर न केवल दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है, बल्कि गंभीर आर्थिक संकट भी खड़ा हो गया है। एक ही परिवार के दो सदस्यों की मौत से नौबस्ता गांव में शोक का माहौल है। वहीं पुलिस ने अज्ञात पिकअप वाहन की तलाश शुरू कर दी है और मामले की जांच की जा रही है।

फायरिंग : रियल एस्टेट कारोबारी की शूटरों से हत्या करवाई थी, हुलिया बदलने में माहिर था

सुपारी किलर बनारसी यादव एनकाउंटर में ढेर

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । वाराणसी में सुपारी लेकर रियल एस्टेट कारोबारी की शूटरों से हत्या करवाने वाला बनारसी यादव एनकाउंटर में मारा गया। मंगलवार देर रात इनपुट के आधार पर STF ने उसकी घेराबंदी की। इंस्पेक्टर ने उसे सरेंडर करने की चेतावनी दी, लेकिन उसने फायरिंग कर दी।

बदमाश की गोली से दो सिपाही बाल-बाल बचे। इसके बाद एसटीएफ ने जवाबी फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग करते हुए पुलिसवाले उसकी ओर बढ़े। बनारसी और जवानों के बीच आमने-सामने 5 राउंड फायरिंग हुई। दो गोलियां बनारसी को लगीं। वह गिर पड़ा। घायलावस्था में उसे अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों

सुपारी किलर, मृतक

ने बनारसी को मृत घोषित कर दिया। बनारसी के पास से दो पिस्टल और कारतूस मिले हैं। एनकाउंटर चौबेपुर रोड पर हुआ। बनारसी गाजीपुर के करंडा का रहने वाला था। उस पर 10 हत्याओं समेत 21 मुकदमे वाराणसी, गाजीपुर सहित कई जिलों में दर्ज थे।

पांच महीने पहले गाजीपुर के ही रहने वाले प्रॉपर्टी डीलर योगेंद्र ने 50 करोड़ की जमीन के लिए कोलोनाइजर महेंद्र गौतम की हत्या करवाई थी।

हुलिया बदलने में माहिर, मोबाइल नहीं इस्तेमाल करता था

बनारसी यादव पूर्वांचल के बड़े और शातिर शूटरों में गिना जाता था। सुपारी लेकर हत्याएं करने वाले बनारसी को पुलिस नाम से तो जानती थी, लेकिन उसका चेहरा और तस्वीर किसी के पास नहीं थी। यही वजह रही कि कई घटनाओं को अंजाम देने के बाद भी बनारसी पुलिस की पकड़ से दूर रहा। बनारसी यादव कभी मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करता था और न ही एक जगह टिककर रहता था। वह हुलिया बदलने में भी माहिर था। सारनाथ में कॉलोनाइजर महेंद्र की हत्या के बाद जब बनारसी यादव का नाम सामने आया, तब पुलिस को उसकी मौजूदगी का ठोस सुराग मिला। काफी छानबीन के बाद उसकी तस्वीर सामने आई। तब से पुलिस बनारसी यादव की तलाश में जुटी हुई थी।

उसने बनारसी यादव को 5 लाख की सुपारी दी थी। इसके बाद उसने फौजी अरविंद यादव और विशाल समेत 3 बदमाशों को हायर किया।

21 अगस्त 2025 को बदमाशों ने ऑफिस जा रहे कोलोनाइजर को दिनदहाड़े गोली मार दी थी। कोलोनाइजर की हत्या के मामले में पुलिस ने बनारसी पर 1 लाख रुपए का इनाम घोषित किया था।

कोलोनाइजर महेंद्र गौतम बुद्धा सिटी के रहने वाले थे। उनका प्रॉपर्टी का बड़ा कारोबार है। उनके पिता श्यामनाथ आरटीओ अफसर थे।

राम नारायण सिंह इंटर कॉलेज में तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव का भव्य शुभारंभ

पयागपुर विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी वार्षिकोत्सव

तमसा संकेत, संवाददाता

बहराइच । विकास खंड पयागपुर क्षेत्र अंतर्गत स्थित राम नारायण सिंह इंटर कॉलेज, रामनगर खजुरी में तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि पयागपुर श्री समय प्रसाद मिश्रा द्वारा माँ शारदे के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं फीता काटकर किया गया।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए श्री मिश्रा ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से बच्चों में छिपी प्रतिभाओं को मंच मिलता है। शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियाँ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होती हैं। उन्होंने विद्यालय परिवार के प्रयासों की सराहना की।

वार्षिकोत्सव कार्यक्रम के प्रथम

कार्यक्रम के दूसरे दिन विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें हास्य, ओज एवं श्रृंगार रस के कवि अपने काव्य पाठ से श्रोताओं को आनंदित करेंगे। कवि सम्मेलन को लेकर क्षेत्र में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

दिन छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इसके साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी की गई, जिसमें नृत्य, गीत एवं नाट्य प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षक गण एवं विद्यालय परिवार की अहम भूमिका रही। अंत में आयोजकों द्वारा आए हुए अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

शराब की दुकानों पर 100 महिलाओं का अटैक

प्रदर्शन

ललितपुर में ताला तोड़कर घुसीं, 15 लाख की वाइन रोड पर फेंकी

तमसा संकेत, एजेंसी

ललितपुर । ललितपुर में छेड़खानी से परेशान 100 से ज्यादा महिलाओं ने शराब की दो दुकानों में जमकर तोड़फोड़ की। महिलाओं ने पहले रोड जाम कर प्रदर्शन किया। फिर ताला तोड़कर दुकानों के अंदर घुसीं और जमकर तोड़फोड़ की। लाखों की शराब सड़क पर फेंक दी।

इसके बाद महिलाएं 2 गुट में बंट गईं। एक गुट शराब की पोटियां को रोड़ पर फेंकता। जबकि दूसरा गुट बोतलों को लाठी मारकर फोड़ता। रोड़ पर पानी की तरह शराब बहने लगी। करीब एक घंटे तक बवाल चलता रहा।

सूचना मिलते ही कुछ पुलिसकर्मी वहां पहुंचे, लेकिन महिलाओं को रोकने की हिम्मत नहीं जुटा सके। हंगामे के दौरान सड़क पर जाम लग गया। जब महिलाओं ने शराब की

महिलाओं ने सड़क पर इतनी बोतल फोड़ दी कि शराब पानी की तरह बहने लगा।

दोनों दुकान खाली कर दीं, तब वापस अपने गांव लौट गईं। इस दौरान करीब एक घंटे तक 2 किलोमीटर लंबा जाम लगा रहा।

5 थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। हालांकि तब तक हालात सामान्य हो चुके थे। सड़क पर फैली शराब की बोतलों को हटवाकर जाम खुलवाया गया। मामला मंगलवार दोपहर का महरौनी-ललितपुर रोड के गांव

शटर का ताला तोड़कर घुसीं

इस बीच महिलाएं दोनों दुकानों में पहुंचीं और ताला तोड़कर अंदर घुस गईं। देशी, अंग्रेजी शराब और बीयर की केनों की पेटियां उठाकर सड़क पर फेंकने लगीं। कुछ महिलाएं उन्हें तोड़ने लगीं।

हंगामा और तोड़फोड़ की सूचना पर 2 पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। लेकिन उग्र महिलाओं को देख उन्हें रोकने की हिम्मत नहीं जुटा सके। दोनों पुलिसकर्मियों के सामने महिलाएं तोड़फोड़ करती रहीं। इस दौरान महरौनी-ललितपुर मार्ग पर जाम लग गया।

खितवांस का है। अप्रैल 2025 में खितवांस गांव में आबादी के

गुड्डी देवी ने कहा- पति की मौत के मामले में गुहार लगाती रही, लेकिन पुलिस ने जांच नहीं की।

पास शराब की कंपोजिट शॉप खुली थी। इसके पास में ही देशी शराब की दुकान भी है। दोनों दुकानों का एक ही मालिक है। महिलाओं का आरोप है कि जबसे यहां शराब

दोपहर को डंडे लेकर पहुंची सैकड़ों महिलाएं

मंगलवार की दोपहर करीब साढ़े 12 बजे करीब 110 महिलाएं शराब की दुकान बंद कराने की मांग को लेकर दुकान के सामने प्रदर्शन करने लगीं। कंपोजिट दुकान के सेल्समैन हितेंद्र कुमार ने हंगामा देख शटर गिराया और ताला लगाकर मौके से भाग गया। उसने पुलिस को सूचना दे दी।

की दुकान खुली है, तबसे सड़क से निकलना दूभर हो गया है। शराबी लोग महिलाओं और बेटियों पर कमेंट करते हैं। गांव के नई उम्र के बच्चे भी बिगड़ रहे हैं।

श्रीमद् भागवत कथा को लेकर भूमिपूजन व ध्वजारोहण किया

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा । श्रीमद्भागवत प्रचार प्रसार सेवा समिति के तत्वाधान में 11 मार्च से होने वाली भागवत कथा का भूमि पूजन रीढ़ा स्थित विनय अग्रवाल के फाटक में विधि विधान से हवन पूजा के साथ किया गया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि जगद्गुरु गोपेश्वर चैतन्य जी महाराज,स्वदेश जी महाराज, व नारायण दास बाबा ने भूमि पूजन के साथ ध्वजारोहण भी किया।

भागवत प्रवक्ता आचार्य मनीष गर्गाचार्य ने बताया कि भागवत कथा से पूर्व समस्त देवी देवताओं को निमंत्रण हेतु भूमि पूजन कर सभी देवताओं का आहवान किया जाता है और वीर बजरंगबली का ध्वज इसका प्रतीक है। उन्होंने बताया हर साल की तरह इस बार श्री मद्भागवत कथा 11 मार्च से शुरू होगी। हवन पूजा केशव आचार्य व पंकज शास्त्री द्वारा कराई गई। इस अवसर पर परीक्षित श्याम सुन्दर अग्रवाल, विनय अग्रवाल, मुकुट बिहारी, बनवारी लाल गर्ग, अजीत पहलवान ,सुरेंद्र चौधरी, बलदेव अग्रवाल, चंद्रपाल सिंह देशवार,हरिओम सेठ, अनुज उपमन्यु, शिवा उपाध्याय, डा.योगेश शर्मा,विनोद कुमार,रवेंद्र कुमार,विकास अग्रवाल,ओमवीर काका जी,कुंवर पाल सिंह,हरेंद्र सिंह,युवा समाजसेवी सुजीत वर्मा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

फास्ट न्यूज

पूर्व दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री और पत्नी पर एफआईआर

आगरा। आगरा विजय नगर सोसाइटी में पूर्व दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री नितिन गुप्ता और उनकी पत्नी रिंकी गुप्ता समेत 8-10 लोगों पर मारपीट के आरोप में मुकदमा दर्ज हुआ है। वहीं रिंकी गुप्ता की ओर से भी दो लोगों के खिलाफ अलग FIR दर्ज की गई है। पीड़िता के कहा-सोसाइटी में अवैध गतिविधियों का विरोध किया था। जिस पर आरोपी पक्ष भड़क गया, और मारपीट करने लगा।

कानपुर में टीचरों ने 10 छात्र-छात्राओं को बेल्ट-डंडे से पीटा

कानपुर। कानपुर के महाराणा प्रताप इंजीनियरिंग कॉलेज में बुधवार सुबह बवाल हो गया। देर से पहुंचने पर टीचरों ने छात्र-छात्राओं को दौड़ा-दौड़ाकर डंडों और बेल्टों से पीटा। पिटाई से 10 स्टूडेंट्स घायल हो गए। इनमें चार छात्राएं हैं। एक छात्रा का हाथ फट गया। खून निकलते देख साथी भड़क गए। उन्होंने हंगामा कर दिया। कॉलेज का गेट बंद कर छात्र वी वांट जस्टिस जैसे नारे लगाने लगे। कॉलेज में तोड़फोड़ भी की गई। घायल छात्र-छात्राओं को कॉलेज के ही अस्पताल में भर्ती कराया गया।

दबिश की आड़ में महिला से छेड़छाड़-अभद्रता

आगरा। दबिश के दौरान महिला से छेड़छाड़ और अभद्रता के मामले में 3 महीने बाद सुनवाई होगी। इसमें 2 दरोगा और एक सिपाही सहित 5 लोग फंस गए हैं। आगरा के सदर थाना में तैनात 2 दरोगा और एक सिपाही समेत 5 लोगों पर कोर्ट ने परिवाद दर्ज कर मामले की सुनवाई के आदेश दिए हैं। सदर थाने के पुलिसकर्मियों ने पति की पिस्टल चोरी के आरोप में मलपुरा में दी दबिश दी थी।

नशे में धुत इनोवा चालक का कहर

बुजुर्ग साइकिल सवार को रौंदा, साइकिल को घसीटते हुए सौ मीटर तक ले गया कार

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। थाना फतेहपुर क्षेत्र में मंगलवार शाम एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। तेज रफ्तार और नशे में धुत इनोवा कार चालक ने एक बुजुर्ग साइकिल सवार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि टक्कर के बाद बुजुर्ग करीब सौ मीटर तक सड़क पर घसीटते चले गए और गंभीर रूप से घायल होकर सड़क किनारे जा गिरे। इसके बावजूद चालक नहीं रुका और कार के नीचे फंसी साइकिल को लगभग एक किलोमीटर तक घसीटता हुआ ले गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हादसे में घायल व्यक्ति की पहचान जमाल अहमद (60) पुत्र मुदस्सिर, निवासी मोहल्ला

मोलवीगंज, फतेहपुर के रूप में हुई है। जमाल अहमद मंगलवार को इसरौली कस्बे से अपने निजी कार्य निपटाकर साइकिल से घर लौट रहे थे। जैसे ही वह फतेहपुर-बाराबंकी मार्ग स्थित रसूलपनाह मोड़ के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार इनोवा कार संख्या UP 33 W 3303 ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बुजुर्ग साइकिल सवार सड़क पर गिर पड़े और काफी दूरी तक घसीटते चले गए, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद भी कार चालक ने न तो वाहन रोका और न ही

घायल की मदद की। साइकिल कार के नीचे फंस गई, जिसे चालक करीब एक किलोमीटर तक घसीटता रहा। मौके पर मौजूद लोगों ने कार को रोकने की कोशिश की और चालक को आवाज़ें दीं, लेकिन नशे में चूर चालक पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। इधर, गंभीर रूप से घायल जमाल अहमद को पुलिस की मदद से तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई बताई जा रही है। घटना की सूचना पाकर क्षेत्राधिकारी जगतराम कनौजिया मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय लोगों ने बस स्टॉप पर तैनात पुलिसकर्मियों को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए पीछा कर कार को रुकवाया और चालक को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर आवश्यक जांच शुरू कर दी है।

पयागपुर की स्वास्थ्य इकाइयों पर मनाया गया विश्व कैंसर दिवस

तमसा संकेत, संवाददाता

बहराइच । पयागपुर क्षेत्र की विभिन्न स्वास्थ्य इकाइयों पर विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पयागपुर में इस मौके पर एक जागरूकता हस्ताक्षर अभियान आयोजित हुआ, जिसका उद्देश्य आमजन को कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के प्रति सचेत करना तथा इसके कारणों, लक्षणों और बचाव के उपायों की जानकारी देना रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ. धीरेन्द्र तिवारी ने की। उन्होंने कहा कि कैंसर कोई लाइलाज बीमारी नहीं है, यदि इसकी पहचान प्रारंभिक अवस्था में हो जाए तो समय पर इलाज से इसे पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। उन्होंने तंबाकू, गुटखा, धूम्रपान, शराब का अत्यधिक सेवन,

असंतुलित आहार और शारीरिक गतिविधियों की कमी को कैंसर के प्रमुख कारण बताते हुए इनसे दूरी बनाने की अपील की।

चिकित्सकों ने इस दौरान स्तन कैंसर, मुख कैंसर, सर्वाइकल कैंसर एवं फेफड़ों के कैंसर के सामान्य लक्षणों की जानकारी दी। महिलाओं को विशेष रूप से स्तन और सर्वाइकल कैंसर की नियमित जांच कराने की सलाह दी गई। साथ ही युवाओं को तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों से दूर रहने का संकल्प दिलाया गया। बीपीएम पयागपुर अनुपम शुक्ल ने बताया कि विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर यह जागरूकता गतिविधि सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिरों पर चिकित्सा अधिकारियों व सीएचओ के नेतृत्व में आयोजित की गई। कार्यक्रम में डॉ. प्रमोद तिवारी, डॉ. अरुण मौर्य, डॉ. शरद भारती, टीपी यादव, अजय वर्मा, हिमांशु मिश्रा, प्रियंका चौधरी, नैंसी गुप्ता सहित नर्सिंग स्टाफ, सीएचओ, एएनएम, आशा कार्यकर्ता, स्वास्थ्यकर्मी और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

बलरामपुर में छात्रों को किया निशुल्क शिक्षा सामग्री का वितरण

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। भीम आर्मी भारत एकता मिशन पंजीकृत द्वारा विकास खंड बलदेव में प्राथमिक विद्यालय बलरामपुर के छात्रों को निशुल्क शिक्षा सामग्री का वितरण किया गया, शिक्षा सामग्री पाकर छात्रों के चेहरे खिले नजर आए।

शिक्षण सामग्री वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ भीम आर्मी भारत एकता मिशन के उत्तर प्रदेश कोऑर्डिनेटर एवं सहजिलाध्यक्ष पीतम्बर सिंह एवं ग्राम प्रधान ओमप्रकाश ने ज्ञान की देवी मां सरस्वती एवं संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर के छविचित्र पर माल्यार्पण करके किया।

इस अवसर पर भीम आर्मी भारत एकता मिशन के उत्तर प्रदेश कोऑर्डिनेटर एवं सहजिलाध्यक्ष पीतम्बर सिंह ने बताया कि भीम आर्मी का उद्देश्य समाज को शिक्षा स्वास्थ्य एवं रोजगार के क्षेत्र में जागृत करना है ताकि क्योंकि समाज शिक्षित हो और अपने हक और अधिकार को जान सके। उन्होंने ग्रामवासियों को शिक्षा के प्रति प्रेरित करते हुए कहा कि भले ही आधी रोटी कम खाओ, लेकिन अपने बच्चों को जरूर पढ़ाओ।

बहराइच में परिवार नियोजन काउंसलिंग कॉर्नर का लक्ष्य पूरा

तमसा संकेत, संवाददाता

रिसिया बहराइच । जनपद में परिवार नियोजन सेवाओं को मजबूती देने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग ने एक अहम उपलब्धि हासिल की है। सोमवार को नॉन-उम्मीद ब्लॉक स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रिसिया में परिवार नियोजन काउंसलिंग कॉर्नर (एफपीसीसी) का उद्घाटन किया गया। इसके साथ ही जिले में कुल 20 एफपीसीसी स्थापित करने का निर्धारित लक्ष्य पूर्ण हो गया।

सीएचसी रिसिया में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय शर्मा ने किया। उन्होंने कहा कि परिवार नियोजन केवल जनसंख्या नियंत्रण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मातृ-शिशु स्वास्थ्य, सुरक्षित गर्भधारण और स्वस्थ परिवार की आधारशिला है। एफपीसीसी के माध्यम से योग्य दंपतियों को गर्भनि-

रोधक साधनों, प्रजनन स्वास्थ्य और सुरक्षित मातृत्व से जुड़ी सटीक जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध होगी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में फैली भ्रांतियां दूर होंगी और लोग सोच-समझकर निर्णय ले सकेंगे।

कार्यक्रम में 52 आशा कार्यकर्ता, 15 एएनएम, 5 मेडिकल ऑफिसर, आईसीटीसी काउंसलर, लेबर रूम स्टाफ नर्स सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे। सीएमओ ने काउंसलरों को प्रभावी परामर्श के माध्यम से परिवार नियोजन सेवाओं की स्वीकार्यता बढ़ाने के निर्देश दिए।

पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया के प्रतिनिधि राम बरन यादव ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के मार्गदर्शन में उम्मीद परियोजना के तहत उम्मीद ब्लॉकों में 15 तथा नॉन-उम्मीद ब्लॉकों में 5 एफपीसीसी स्थापित किए गए हैं। सीएचसी रिसिया के अधीक्षक डॉ. धर्मेन्द्र कुमार ने कहा कि एफपीसीसी से 15 से 49 वर्ष आयु वर्ग के योग्य दंपतियों को लाभ मिलेगा, जिससे अनियोजित गर्भधारण में कमी आएगी और मातृ-शिशु स्वास्थ्य संकेतकों में सुधार होगा

'एआई इम्पैक्ट प्री-समिट इवेंट 2026' का आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। एमआईईटी, मेरठ द्वारा 9 फरवरी रमन ब्लॉक स्थित ऑडिटो-रियम-3 में एआई इम्पैक्ट प्री-समिट इवेंट 2026 का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की थीम "एआई-तैयार कार्यबल के लिए मानव संसाधन सशक्तिकरण" निर्धारित की गई है। यह प्री-समिट कार्यक्रम भारत सरकार द्वारा नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित होने वाले मुख्य एआई इम्पैक्ट समिट की पूर्व भूमिका के रूप में आयोजित किया जा रहा है। मुख्य समिट में नीति निर्माता, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, शिक्षाविद तथा वैश्विक विशेषज्ञ भारत की एआई नीति, नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र और कार्यबल विकास पर विचार-विमर्श करेंगे।

कार्यक्रम का आयोजन कैंपस निदेशकप्रो. (डॉ.) एस. के. सिंह एवं डीन एकेडेमिक्स डॉ संजीव सिंह और डीन, सीएसई एवं संबद्ध विभाग प्रो. (डॉ.) नरेश कुमार के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

प्री-समिट का प्रमुख आकर्षण "एआई रेडी ग्रेजुएट्स - भारत के भविष्य के कार्यक्षेत्र के लिए शिक्षा पर पुनर्विचार" विषय पर आधारित एक पैनल चर्चा होगी, जिसमें एआई आधारित उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन पर मंथन किया जाएगा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. जितेंद्र सिंह, साइंटिस्ट 'जी' एवं सेंटर हेड, सी-डैक दिल्ली तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में अरविंद कुमार, सलाहकार, सी-डैक दिल्ली की उपस्थिति रहेगी।

विशेषज्ञ पैनल में डॉ. प्रियंका जैन (साइंटिस्ट 'एफ', न्यूरोकॉग्निटिव एआई एवं एक्सआर, सी-डैक दिल्ली), मयंक शर्मा (को-फाउंडर एवं एआई रिसर्चर, न्युफोलॉजी डॉट इन), मोहम्मद उमर आलम (लीड प्लेटफॉर्म इंजीनियर, टेस्टम्यू एआई) तथा विष्णु वशिष्ठ (पार्टनर सॉल्यूशंस आर्किटेक्ट, एडब्ल्यूएस) शामिल होंगे।

पृष्ठ 01 का शेष...

ममता ने रचा...

इस कारण माइक्रो ऑब्जर्वर नियुक्त करने पड़े। सभी नोटिस में कारण होते हैं। जिनके नाम हटे उन्हें अधिकृत एजेंटों को भी लाने की अनुमति दी गई थी।

हमने राज्य सरकार को कई पत्र लिखे हैं कि हमें क्लास 2 अधिकारी दें ताकि ERO को नियुक्त किया जा सके। उन्होंने उस रैंक के लगभग 80 अधिकारी दिए हैं, बाकी निचले रैंक के। इसलिए हमें माइक्रो ऑब्जर्वर नियुक्त करने पड़े। गलती उनकी है। माइक्रो ऑब्जर्वर सही तरीके से नियुक्त किए गए हैं। राज्य सहयोग नहीं कर रहा है, तो कोई दूसरा ऑप्शन नहीं है। समय की कोई समस्या नहीं है।

CJI सूर्यकांत ने कहा- सभी नोटिस वापस लेना अव्यावहारिक है। नाम की स्पेलिंग में गड़बड़ी होने पर चुनाव आयोग नोटिस जारी न करे। चुनाव आयोग अपने अधिकारियों को भी निर्देश दे कि वे संवेदनशील रहें। अगर राज्य सरकार ऐसे लोगों की टीम देती है, जो बांग्ला और स्थानीय बोलियां जानते हों, और वे जांच करके चुनाव आयोग को बताएं कि स्थानीय बोली के कारण गलती है, तो इससे मदद मिलेगी।

स्थानीय बोली के अनुवाद को AI की मदद लेने के कारण अगर ऐसा हो रहा है तो हम समाधान निकालेंगे। इस वजह से असली मतदाता को बाहर नहीं किया जाना चाहिए। इससे पहले ममता ने मंगलवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। उन्होंने कहा कि चुनाव से ठीक पहले SIR क्यों किया जा रहा है? चार राज्य बंगाल, तमिलनाडु, केरल और असम में चुनाव होने हैं। SIR तीन राज्यों में हो रहा है, लेकिन भाजपा-शासित असम में नहीं। क्योंकि वह 'डबल इंजन' राज्य है। ममता बनर्जी ने घुसपैठियों पर कहा कि ये लोग (BJP) घुसपैठियों की बात करते हैं लेकिन ये तो आपकी जिम्मेदारी है। बॉर्डर की रखवाली केंद्र की जिम्मेदारी है। ऐसे में घुसपैठ के लिए वही जिम्मेदार है।

अखिलेश यादव ने ...

अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार को ऐसे विश्वसनीय लोगों को आगे करना चाहिए जिनकी केवल छवि ही नहीं बल्कि जो सच में किसी भी तरह के 'नशा-पत्ती-बूटी-व्यसन' में नहीं हैं और ईमानदारी से कामयाब हुए हैं और उनके परिवार में ख़ुशहाली है। इन जैसे सच्चे-अच्छे लोगों से प्रेरणा लेकर लोग नशे से दूर रहेंगे और होशमंद जीवन जीने के लिए प्रेरित होंगे।

श्री यादव ने कहा कि हमें सबको समझाना होगा। कैंसर से बचना, कैंसर से लड़ने से ज़्यादा आसान है। कैंसर के डर से डरें नहीं बल्कि कैंसर होने के कारणों से डरें। कैंसर हो भी जाए तो समय रहते इलाज से उसे हराया जा सकता है। कैंसर के कई रूपों से लड़ने के लिए जो चिकित्सीय रूप से सिद्ध टीकाकरण है, उसको अपनाएं। सरकार इसके लिए निशुल्क टीकाकरण करवाए। कैंसर होने के सबसे बड़े कारण के रूप में तम्बाकू से बचें। कैंसर से लड़ने के लिए उन लोगों को आगे किया जाए, जिनकी केवल सार्वजनिक छवि ही नहीं बल्कि जो सच में व्यक्तिगत जीवन में बिना नशे के सफल रहे हैं।

पहली बार 83...

हमारी इस रिपोर्ट में हम आपको बता रहे हैं कि इन 83 खुली चोटियों में से कौन-कौन सी सबसे अहम हैं, वहां तक कैसे पहुंचा जा सकता है और अगर आप भी पर्वतारोहण की योजना बना रहे हैं, तो रजिस्ट्रेशन कहां और कैसे करना होगा।

अब तक पर्वतारोहण को अमीरों या स्पॉन्सर्ड अभियानों का खेल माना जाता था, क्योंकि सरकारी शुल्क ही बड़ा बोझ बन जाता था। नई SOP में भारतीय पर्वतारोहियों के लिए पीक फीस, कैंपिंग चार्ज, ट्रेल मैनेजमेंट फीस और पर्यावरण शुल्क सब कुछ जीरो कर दिया गया है। इससे एक अभियान पर औसतन 15 से 20 हजार रुपए तक की सीधी बचत होगी। विदेशी पर्वतारोहियों को भी बड़ी राहत मिली है। वन विभाग द्वारा लिया जाने वाला अलग 'अभियान शुल्क' समाप्त कर दिया गया है। अब उन्हें केवल भारतीय पर्वतारोहण संस्था (IMF), नई दिल्ली द्वारा तय शुल्क ही देना होगा। इससे परमिशन प्रक्रिया तेज और कम जटिल होगी।

एमपी-यूपी, बिहार...

जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग और पहलगाम में रात का तापमान फ्रीजिंग पॉइंट से कई डिग्री नीचे चला गया है। गुलमर्ग में माइनस 8.0 डिग्री और पहलगाम में माइनस 5.6 डिग्री तापमान रिकॉर्ड हुआ।

मौसम विभाग (IMD) ने दिल्ली में बिजली गिरने और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने का अलर्ट जारी किया है। पड़ोसी राज्य हरियाणा और चंडीगढ़ में भी ऐसे ही हालात रहने की आशंका है। अगले 7 दिन में पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र तीन पश्चिमी विक्षोभ यानी वेस्टर्न डिस्टरबेंस से प्रभावित रहेगा। यानी पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी और मैदानी इलाकों में ओला-बारिश और सर्द हवाएं चलेंगी। वेस्टर्न डिस्टरबेंस भूमध्यसागर क्षेत्र से आने वाला पश्चिमी हवाओं का मौसमी सिस्टम है, जो उत्तर भारत में सर्दियों के दौरान बारिश और पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी कराता है।

लोकसभा में पीएम...

ऑफिस का जो वीडियो सामने आया है, इसमें विपक्ष की महिला सांसद केंद्रीय संसदीय मंत्री किरेन रिजिजू से कुछ कहती नजर आ रही हैं।

लोकसभा में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने गांधी परिवार और कांग्रेस पर लिखी किताबें और नोट्स दिखाए। उन्होंने कहा इन किताबों में गांधी परिवार और कांग्रेस परिवार की मक्कारी, गद्दारी, भ्रष्टाचार और अय्याशी का जिक्र है।

निशिकांत की कोट की गई किताबों में एडविना एंड नेहरू, रेमिनिसेंस ऑफ द नेहरू एज, द रेड साड़ी, एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर समेत दूसरी किताबें और नोट्स दिखाए। आज फिर चेयर की तरफ विपक्षी सांसदों ने पेपर उड़ाए।

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने लोकसभा में अमेरिका से टैरिफ डील पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि डील ऐतिहासिक है। भारत के कृषि और खाद्य क्षेत्र का पूरा ध्यान रखा गया है। यह डील भारत के विकास में बेहद फायदेमंद होगी।

गोयल के भाषण के दौरान विपक्षी सांसद हंगामा करते रहे। विपक्ष ने 'LoP (राहुल गांधी) को बोलने दो', नरेंद्र मोदी-सरेंडर मोदी और 'डरता है डरता है नरेंद्र मोदी डरता है' के नारे लगाए। विपक्ष के हंगामें पर लोकसभा को दोपह 2 बजे तक स्थगित किय गया।

पिता ने दो शादियां...

दूसरी पत्नी से निशिका और प्राची का जन्म हुआ। इसके बाद पहली पत्नी से भी एक बेटी पैदा हुई। फिर दूसरी पत्नी से एक और बेटी-बेटा भी हुए हैं।

जिस फ्लैट में परिवार रहता है, उसमें तीन कमरे और एक हॉल है। घटना के वक्त चेतन दोनों पत्नियों के साथ एक कमरे में सो रहे थे। साली, 3 साल की बेटी और 7 साल का बेटा भी उसी कमरे में थे। बच्चियां दूसरे कमरे में सोई थीं। तीसरे कमरे में केवल राधा-कृष्ण की एक तस्वीर लगी है। इसी कमरे की बालकनी से तीनों ने छलांग लगाई।

पुलिस बोली- बच्चियां ...

जिस ऊंचाई से तीनों बच्चियां कूदीं, वहां से जमीन की दूरी 80 फीट है। तीनों बच्चियां जमीन पर पड़ी मिलीं और गंभीर रूप से घायल थीं। उन्हें एंबुलेंस से लोनी के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

युमनाम खेमचंद ...

इसके 4 दिन बाद, 13 फरवरी 2025 से राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था।

3 फरवरी को दिल्ली में मणिपुर भाजपा के विधायक दल की बैठक हुई थी। इसमें भाजपा विधायक युमनाम खेमचंद सिंह को विधायक दल का नेता चुना गया था। 4 फरवरी को NDA के घटक दलों के विधायकों की बैठक में सीएम और डिप्टी सीएम के नामों पर मुहर लगी।

खेमचंद पूर्व सीएम बीरेन सिंह के करीबी माने जाते हैं। वहीं, राज्य के गृह मंत्री के लिए कोंथौजम गोविंदास सिंह का नाम चर्चा में है। युमनाम खेमचंद सिंग्जामेई क्षेत्र (इंफाल वेस्ट) से भाजपा विधायक हैं।

गुजरात को 7 विकेट से हराया, रोड्रिग्ज ने 41 रन बनाए, अब आरसीबी से मैच

दिल्ली कैपिटल्स लगातार चौथी बार डब्ल्यूपीएल के फाइनल में पहुंची

मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली कैपिटल्स ने विमेंस प्रीमियर लीग के फाइनल में जगह बना ली है। टीम ने मंगलवार को खेले गए एलिमिनेटर मैच में गुजरात जायंट्स को 7 विकेट से हरा दिया। वडोदरा के कोटाम्बी स्टेडियम में दिल्ली ने 169 रन का टारगेट 15.4 ओवर में 3 विकेट पर चेज कर दिया। लौरा वोलवार्ट ने नाबाद 32 रन बनाए। जबकि कप्तान जेमिमा रोड्रिग्ज ने 41 रन की पारी खेली। ओपनर लिजेल ली (43 रन) और शेफाली वर्मा (31 रन) फिफ्टी

दिल्ली की ओपनर्स ने 89 रन की साझेदारी की।

पार्टनरशिप करके रन चेज को मजबूत शुरुआत दिलाई।

टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए गुजरात ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 168 रन बनाए थे। बेथ मूनी (51 बॉल पर 62 रन) ने फिफ्टी लगाई। जॉर्जिया वेयरहम 35 रन बनाकर आउट हुईं। दिल्ली से शिनेल हेनरी ने 3 विकेट झटके। नंदनी शर्मा को 2 विकेट मिले।

5 फरवरी को आरसीबी से होगा फाइनल मैच

दिल्ली का फाइनल मैच डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के साथ 5 फरवरी को वडोदरा में ही खेला जाएगा। बेंगलुरु ने लीग राउंड के बाद पॉइंट्स टेबल के टॉप पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई थी।

16वें ओवर की चौथी बॉल पर मारिजान कैप ने चौका लगाकर दिल्ली को जीत दिला दी। इसी के साथ दिल्ली ने लगातार चौथे सीजन के फाइनल में जगह बना ली।

9वें ओवर में दिल्ली ने 100 रन का आंकड़ा पार कर लिया है। लौरा वोलवार्ट और जेमिमा रोड्रिग्ज की जोड़ी ने काशवी गौतम के ओवर से 11 रन लिए और टीम को 100 पार पहुंचाया। दिल्ली की पारी के 5वें ओवर में 21 रन बने। इस ओवर में लिजेल ली ने रेणुका सिंह ठाकुर की बॉल पर लगातार 3 चौके लगाए। फिर शेफाली वर्मा वर्मा ने 2 चौके मारे। इसी ओवर में दिल्ली ने 50 रन का आंकड़ा पार कर लिया।

> दूसरे ओवर की आखिरी बॉल पर गुजरात ने पहला विकेट गंवाया। यहां सोफी डिवाइन 6 रन बनाकर आउट हुईं। उन्हें शिनेल हेनरी ने विकेटकीपर लिजेल ली के हाथों कैच कराया। लिजेल ने एक हाथ से छलांग लगाकर कैच पकड़ा।

वेयरहम को ओवर में दो विकेट, ओपनर्स आउट

जॉर्जिया वेयरहम ने 8वें ओवर में लिजेल ली (43 रन) और शेफाली वर्मा (31 रन) को पवेलियन भेजा। उन्होंने फिफ्टी पार्टनरशिप भी ब्रेक की। इसी के साथ दिल्ली की ओपनर्स पवेलियन लौट गईं।

यूपीसीए के पिच क्यूरेटर शिव कुमार का निधन

कानपुर, एजेंसी

उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ (यूपीसीए) पिच क्यूरेटर शिव कुमार का मंगलवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। सरकारी नौकरी छोड़कर पिच क्यूरेटर बनने वाले शिवकुमार ग्रीन पार्क स्टेडियम में कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी के मुकाबले के लिए मंगलवार को मुख्य पिच तैयार कर थे, तभी दोपहर करीब साढ़े तीन बजे वह अचानक गिर पड़े।

यूपीसीए के नोडल अधिकारी सुजीत श्रीवास्तव व मैदानकर्मी उन्हें लेकर नजदीक के अस्पताल पहुंचे, जहां से कार्डियोलाजी रेफर किया गया। वहां डाक्टरों ने उनके मृत होने की पुष्टि की। उनके निधन की सूचना से क्रिकेट जगत में शोक की लहर है। ग्रीन पार्क और लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेले गए टेस्ट, वनडे, टी-20, आईपीएल व बीसीसीआई के घरेलू मुकाबलों के लिए विकेट बनाने वाले शिव कुमार भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के कंसल्टेंट क्यूरेटर भी थे। काली व लाल मिट्टी की पिच के जानकार शिव कुमार शहर में टर्फ विकेट बनाने वाले पहले क्यूरेटर थे।

उनका पार्थिव शरीर मंगलवार रात को बरेली के लक्ष्मी नगर संजय नगर बाईपास स्थित पैतृक आवास में ले जाया गया। बुधवार को उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला, इंडोनेशिया क्रिकेट, उप्र क्रिकेट एसोसिएशन, खेल विभाग के साथ कई क्रिकेटरों ने 59 वर्षीय शिव कुमार के निधन को प्रदेश क्रिकेट की बड़ी क्षति बताया।

टी20 विश्व कप से पहले इंग्लैंड ने रचा इतिहास

टी20आई सीरीज में श्रीलंका का किया सूपड़ा साफ

नई दिल्ली, एजेंसी

ENG vs SL T20I: इंग्लैंड ने श्रीलंका के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले में अपनी गेंदबाजी के दम पर एक हारी हुई बाजी पलट दी। महज 128 रनों के छोटे से लक्ष्य का बचाव करते हुए इंग्लैंड ने श्रीलंका को 116 रनों पर ढेर कर दिया और 12 रनों की रोमांचक जीत के साथ सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। ये इंग्लैंड के टी20 इतिहास में बचाया गया अब तक का सबसे छोटा स्कोर है।

सैम करन की पारी ने बचाई लाज

मैच की शुरुआत इंग्लैंड के लिए किसी बुरे सपने से कम नहीं रही। टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लिश टीम 11वें ओवर में 60 रन पर 6 विकेट खोकर संघर्ष

कर रही थी। सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट पीठ में खिंचाव के कारण नहीं खेल पाए और उनकी जगह आए बेन डकेट पहली ही गेंद पर दुष्मंथा चमीरा का शिकार बने।

मुश्किल समय में सैम करन ने पारी को संभालने की जिम्मेदारी उठाई। करन ने 48 गेंदों में 58 रनों की पारी खेली, जिसमें 6 चौके और 1 छक्का शामिल था। उन्होंने लियाम डॉसन (14) के साथ 47 रनों की साझेदारी कर टीम को 128 के स्कोर तक पहुंचाया। श्रीलंका की ओर से दुष्मंथा चमीरा ने घातक गेंदबाजी करते हुए 24 रन देकर 5 विकेट झटके, जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

इसके जवाब में 129 रनों का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम की शुरुआत तो अच्छी रही, लेकिन इंग्लैंड की फिरकी के सामने मिडिल ऑर्डर ताश के पत्तों की तरह ढह गया। जैकब बेथेल और विल जैक्स की स्पिन जोड़ी ने श्रीलंकाई बल्लेबाजों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया।

मैच का असली टर्निंग प्वाइंट तब आया जब श्रीलंका को आखिरी 5 ओवरों में 32 रनों की जरूरत थी।

डिफेंडिंग चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 27 रन से हराया, कप्तान थॉमस रयू का शतक

इंग्लैंड तीसरी बार अंडर-19 वर्ल्ड कप के फाइनल में

बुलवायो, एजेंसी

इंग्लैंड ने तीसरी बार अंडर-19 वर्ल्ड कप में जगह बना ली है। जिम्बाब्वे के बुलवायो में खेले गए पहले सेमीफाइनल में इंग्लैंड ने डिफेंडिंग चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 27 रन से हरा दिया। मंगलवार को इंग्लिश कप्तान थॉमस रयू ने शतकीय पारी खेली।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 7 विकेट पर 277 रन बनाए। कप्तान थॉमस रयू ने 110 रन की कप्तानी पारी खेली। उन्होंने 39वें ओवर में सिंगल लेकर अपना शतक पूरा किया। उनकी पारी में 14 चौके और एक छक्का शामिल रहा। कैलिब फाल्कनर ने 53 गेंदों पर 40 रन बनाए और चौथे विकेट

के लिए रयू के साथ 135 रन की साझेदारी की। ऑस्ट्रेलिया से हेडन सिलर और नादेन कूरे ने 2-2 विकेट लिए।

इंग्लैंड की ओर से सेबेस्टियन मॉर्गन (2/33), जेम्स मिंटो (2/30), मैनी लम्सडन (2/55) और राल्फिन अल्बर्ट (2/45) ने दो-दो विकेट लिए। एलेक्स फ्रेंच और फरहान अहमद को एक-एक सफलता मिली। इंग्लैंड अब तीसरी बार अंडर-19 वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंची है। इससे पहले टीम 1998 में चैंपियन और 2022 में रनरअप रही थी।

ओलिवर का शतक काम नहीं आया

277 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम 47.3 ओवर में 250 रन पर ऑलआउट हो गई। कप्तान ओलिवर पीक की संघर्षपूर्ण शतकीय पारी भी टीम को जीत नहीं दिला सकी। उन्होंने 88 गेंदों पर 100 रन बनाए, जिसमें 10 चौके और एक छक्का शामिल रहा। पारी के आखिरी हिस्से में वे ऐंठन से भी जूझते दिखे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से ओपनर नितेश सैमुअल ने 83 गेंदों पर 47 रन बनाए। आर्यन शर्मा ने 23 गेंदों में 34 रन की तेज पारी खेली। इन तीन बल्लेबाजों के अलावा बाकी बल्लेबाज इंग्लैंड के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सके।

मनोरंजन

महिला सफाई कर्मचारी की ईमानदारी से प्रभावित हुए रजनीकांत

घर बुलाकर सोने की चेन पहनाकर किया सम्मानित

नई दिल्ली। सुपरस्टार रजनीकांत अपनी दरियादिली और सादगी के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह एक महिला सफाई कर्मचारी को सम्मानित करते नजर आ रहे हैं।

दरअसल, पद्मा नाम की यह महिला कर्मचारी चेन्नई के टी नगर इलाके में काम करती हैं। ड्यूटी के दौरान उन्हें एक लावारिस पाउच मिला, जिसमें 45 सॉवरेन (करीब 360 ग्राम) सोने के आभूषण थे। इन गहनों को अपने पास रखने के बजाय पद्मा ने तुरंत अपने सीनियर्स को इसकी जानकारी दी और पाउच को पुलिस स्टेशन में जमा करा दिया। इसके बाद पुलिस ने जांच कर गहनों को उनके असली मालिक तक पहुंचा दिया। जब यह बात रजनीकांत तक पहुंची तो उन्होंने पद्मा को अपने चेन्नई स्थित घर पर आमंत्रित किया और उन्हें सोने की चेन पहनाकर सम्मानित किया। इस मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं और लोग रजनीकांत की जमकर तारीफ कर रहे हैं। पद्मा की इस ईमानदारी से प्रभावित होकर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने भी उन्हें खुद बुलाकर सम्मानित किया और इनाम के तौर पर एक लाख रुपए का चेक दिया।

16 महीने से यूएई की हिरासत में भाई, विदेश मंत्रालय को मदद के लिए फर्म बनाने के आदेश

सेलिना जेटली को दिल्ली हाईकोर्ट से मिली मदद

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस सेलिना जेटली के भाई रिटायर्ड मेजर विक्रांत जटली सितंबर 2024 से UAE की हिरासत में हैं। उनकी हिरासत के 16 महीने बीत चुके हैं और एक्ट्रेस लगातार भाई की रिहाई के लिए कानूनी लड़ाई लड़ रही हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को हुई सुनवाई में विदेश मंत्रालय को आदेश दिया है कि वो जल्द ही एक फर्म बनाकर मेजर विक्रांत जेटली की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए उन्हें कानूनी सहायता दें।

सेलिना जेटनी ने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से इसकी जानकारी देते हुए लिखा है, आज दिल्ली हाई कोर्ट ने एक सैनिक के अधिकारों की रक्षा के लिए बड़ा कदम उठाया। कई महीनों की लगातार कोशिशों के बाद, मैंने अपने भाई मेजर विक्रांत कुमार जैटली (रिटायर्ड) के लिए वकीलों की व्यवस्था कर ली है, जो

पिछले 16 महीनों से यूएई में हिरासत में हैं। एक्ट्रेस ने पोस्ट के जरिए बताया है कि दिल्ली हाईकोर्ट ने आदेश दिया है कि भारत सरकार का विदेश मंत्रालय ऐसी व्यवस्था करे जिससे हिरासत में रह रहे एक्ट्रेस के भाई विक्रांत जेटली की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए और उनसे संपर्क हो।

16 महीनों से हिरासत में हैं सेलिना के भाई

सेलिना जेटली के भाई मेजर विक्रांत जेटली रिटायरमेंट के बाद साल 2016 से दुबई में रह रहे थे। सितंबर 2024 में उन्हें नेशनल सिक्योरिटी केस में UAE सिक्योरिटी टीम द्वारा हिरासत में लिया गया था। इसके बाद से ही उनका परिवार से संपर्क टूट गया था। सेलिना जेटली ने भाई की रिहाई के लिए कानूनी सहायता ली, लेकिन दूसरे देश के कानून के तहत वो भारत में रहते हुए भाई की मदद नहीं कर सकीं। जब लंबी कोशिश के बावजूद उनका भाई से संपर्क नहीं हो सका, तो उन्होंने याचिका दायर कर विदेश मंत्रालय से मदद मांगी थी।

कहा- किसी का गाना यूज कर लो लाखों का बिल आ जाता था, कनाडा कैफे फायरिंग पर भी ली फिरकी

म्यूजिक राइट कंट्रोवर्सी पर कपिल का पहला रिएक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी

कपिल शर्मा का शो द कपिल शर्मा शो बीते कुछ समय से म्यूजिक राइट कंट्रोवर्सी से विवादों में था। लंबे समय बाद अब कपिल शर्मा ने इस पर रिएक्शन दिया है। उनका कहना है कि लाखों के बिल से बचने के लिए अब से वो अपने गाने खुद बनाएंगे। कपिल शर्मा की टीम हाल ही में नेटफ्लिक्स के इवेंट व्हॉट नेक्स्ट में पहुंची थीं। नेटफ्लिक्स ने इवेंट में अपकमिंग सीरीज और फिल्मों की अनाउंसमेंट की, जिसमें द ग्रेट इंडियन कपिल शो का पांचवा सीजन भी शामिल था।

इस दौरान कपिल ने बताया है कि अब से सुनील ग्रोवर शो में खुद गाने गाएंगे। कपिल ने कहा कि अरिजीत

के प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने के बाद उन्होंने मौका देखकर सुनील ग्रोवर को बतौर सिंगर लॉन्च किया है। आगे उन्होंने कहा- 'म्यूजिक राइट्स का पंगा बहुत था। किसी का गाना यूज कर लो लाखों का बिल आ जाता था। अब हम अपना ही बनाएंगे। हमारा जहां दिल करेगा हम गाएंगे।' इस पर सुनील ग्रोवर ने कहा- 'मुझे लगता है कि इसी वजह से अरिजीत सिंह ने रिटायरमेंट ले लिया। ये सुनने के बाद।' इवेंट में कपिल शर्मा ने कनाडा के कैफे में हुई फायरिंग पर भी बात की, जिसकी जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग ने ली थी। उन्होंने कहा, 'आज कल मेरे पीछे एक-दो मुल्कों के गैंगस्टर पीछे लगे हुए हैं'। हालांकि बाद में उन्होंने तुरंत टीम से कहा कि उनका ये बयान काट दिया जाए। इसके कुछ देर बाद ही उन्हें एहसास हो गया कि इवेंट लाइव है।

क्या है कपिल शर्मा की म्यूजिक राइट कंट्रोवर्सी

PPL द्वारा 12 दिसंबर को बॉम्बे हाईकोर्ट में कपिल शर्मा के शो के खिलाफ कमर्शियल याचिका दायर की गई थी। कॉपीराइट नियमों का उल्लंघन का आरोप लगाते हुए याचिका में कहा गया था कि कपिल के शो के तीसरे सीजन में जून से सितंबर के बीच 3 लाइसेंसी गानों का इस्तेमाल बिना इजाजत किया गया।

आरोप- इन गानों का हुआ बिना इजाजत इस्तेमाल

एम बोले तो, फिल्म मुन्नाभाई एमबीबीएस

रामा रे, फिल्म कांटे

सुबह होने न दे, फिल्म देसी बॉय्ज

इन गानों का कॉपीराइट पीपीएल इंडिया के पास है। बिना इजाजत इन गानों का इस्तेमाल कमर्शियल तौर पर करना कॉपीराइट कानून का उल्लंघन है। इन गानों का इस्तेमाल सिर्फ लाइसेंस होल्डर ही कर सकते हैं।

उपासना सिंह का सीनियर एक्टर से जमकर हुआ झगड़ा

एक्ट्रेस बोलीं- साथी कलाकार को पीटा, बदतमीजी की

नई दिल्ली। कपिल शर्मा शो में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस उपासना सिंह ने किस देश में है मेरा दिल और कसौटी जिंदगी की जैसे शोज में नजर आ चुके सीनियर एक्टर दीपक काजिर पर बदतमीजी और मारपीट करने के आरोप लगाए हैं। ये मामला एक इवेंट से जुड़ा है, जहां एक्टर दीपक काजिर और एक्ट्रेस उपासना की जमकर बहस हुई। बहस इतनी बढ़ गई की इवेंट में एक्टर्स के बीच तेज झड़प हो गई। हाल ही में इस झगड़े का एक वीडियो सामने आया है। ये विवाद 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के एक इवेंट के दौरान हुआ। एक्ट्रेस उपासना सिंह माइक पर भाषण दे रही थीं। उनके साथ सीनियर एक्ट्रेस पूनम ढिल्लन भी मौजूद थीं। वो बात कर ही रही थीं कि तभी सीनियर एक्टर दीपक काजिर ने तेज आवाज में चिल्लाते हुए कहा- मैडम, मैडम एक मिनट। इस पर एक्ट्रेस ने गुस्से में कहा- मैं अभी बोल रही हूं। इस पर एक्टर ने गुस्से में कहा- नहीं आप नहीं बोलेंगी।

इसके बाद दीपक काजिर ने वहां मौजूद शख्स को उंगली दिखाते हुए कहा- अभी-अभी दीपक जी ने बहुत गलत बात की है। इसके ठीक बाद दोनों में तीखी बहस हो गई। जब दीपक काजिर ने साथ खड़े शख्स से माइक लिया, तो वहां मौजूद दूसरे शख्स ने उनके हाथ से माइक छीन लिया। इस झड़प के बाद वहां मौजूद लोग दीपक काजिर को शांत करवाते नजर आए। इवेंट के बीच उपासना ने दीपक काजिर को डांटते हुए कहा, मैं CINTAA की जनरल सेक्रेटरी हूं। इस पर एक्टर ने कहा- मैं यहां पर सीनियर वाइस प्रेसिडेंट था।

C M Y K C M Y K C M Y K C M Y K C M Y K C M Y K

घर में घुसकर गोली मारी, सैफ अल-इस्लाम गद्दाफी को कभी अपने पिता का उत्तराधिकारी माना जाता था

लीबिया के पूर्व तानाशाह गद्दाफी के बेटे की हत्या

वारदात

त्रिपोली, एजेंसी

लीबिया के पूर्व तानाशाह मुअम्मर गद्दाफी के बेटे सैफ अल-इस्लाम गद्दाफी की मंगलवार को गोली मारकर हत्या कर दी गई। लीबियाई न्यूज चैनल फवासेल के मुताबिक जिंटान शहर में उनके घर पर चार हमलावरों ने हमला किया और उन्हें मार डाला। सैफ अल-इस्लाम गद्दाफी के वकील खालिद अल-जैदी और राजनीतिक सलाहकार अब्दुल्ला ओथमान ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उनकी मौत की जानकारी दी। हालांकि शुरुआती बयानों में हत्या की वजह या हमलावरों की पहचान को लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई। सैफ अल-इस्लाम की मौत को लेकर उनकी बहन ने अलग ही दावा किया है।

सैफ अल-इस्लाम गद्दाफी को 2011 में गिरफ्तार किया गया था, तब यह तस्वीर ली गई थी। उन्हें 2017 तक जेल में रखा गया था।

> क्रांति के दौरान उनके पिता मारे गए और सैफ अल-इस्लाम भागने की कोशिश में पकड़े गए। नवंबर 2011 में उन्हें जिंटान शहर के मिलिशिया ने गिरफ्तार कर लिया। 2015 में लीबियन कोर्ट ने उन्हें मौत की सजा सुनाई (उन्हें कोर्ट में पेश किए बिना)।

BBC ने लीबियाई टीवी के हवाले से बताया कि सैफ अल-इस्लाम की मौत लीबिया-अल्जीरिया सीमा के पास हुई। सैफ अल-इस्लाम की उम्र 53 साल थी। सैफ अल-इस्लाम गद्दाफी को कभी अपने पिता का उत्तराधिकारी माना जाता था।

2017 में माफी के बाद रिहा हुए थे

अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (ICC) ने उन पर युद्ध अपराधों के आरोप लगाए। उन पर आरोप लगे कि उन्होंने अपने पिता की सरकार के साथ मिलकर आम नागरिकों के खिलाफ हिंसा और दमन में भूमिका निभाई। सैफ को 2017 तक जिंटान में कैद रखा गया। हालांकि, 2017 में एक आम माफी के तहत उन्हें रिहा कर दिया गया। रिहाई के बाद कई साल तक सैफ अल-इस्लाम सार्वजनिक रूप से बहुत कम दिखाई दिए और उनकी स्थिति रहस्यमय बनी रही। वे राजनीति में वापसी की कोशिश कर रहे थे।

मुअम्मर गद्दाफी के राजनीतिक उत्तराधिकारी माने जाते थे सैफ अल-इस्लाम

सैफ अल-इस्लाम गद्दाफी को लंबे समय तक अपने पिता मुअम्मर गद्दाफी का राजनीतिक उत्तराधिकारी माना जाता रहा। उनका जन्म 25 जून 1972 को त्रिपोली में हुआ। गद्दाफी परिवार लीबिया में दशकों तक सत्ता में रहा और सैफ अल-इस्लाम उसी ताकतवर परिवार का सबसे पढ़ा-लिखा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जाना-पहचाना चेहरा थे। उन्होंने लीबिया के बाहर भी पढ़ाई की और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से शिक्षा ली। 2000 के दशक में वे खुद को एक सुधारवादी नेता के रूप में पेश करते थे। वे पश्चिमी देशों से रिश्ते सुधारने, अर्थव्यवस्था और कुछ हद तक राजनीतिक बदलाव की बातें करते थे। इसी वजह से कई विदेशी नेता और मीडिया उन्हें गद्दाफी शासन का नरम और आधुनिक चेहरा मानने लगे थे। सैफ ने कभी कोई आधिकारिक पद नहीं संभाला, लेकिन वे लीबिया में अपने पिता के बाद सबसे ताकतवर व्यक्ति थे। 2000 के दशक में उन्होंने लीबिया के पश्चिमी देशों से रिश्ते सुधारने में बड़ी भूमिका निभाई।

डॉलर के मुकाबले रुपया 129 पैसे मजबूत, 90.20 पर आया

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रुपया मंगलवार (3 फरवरी) को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 3 साल की सबसे बड़ी बढ़त के साथ 90.20 के स्तर पर ओपन हुआ। यह तेजी अमेरिका और भारत के बीच ट्रेड डील के ऐलान के कारण हुई है, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारतीय सामानों पर टैरिफ को 50% से घटाकर 18% कर दिया है।

हालांकि RBI के अनुसार डॉलर के मुकाबले रुपया 90.45 पर बंद हुआ। इससे पहले 2025 में रुपया करीब 5% तक टूटकर एशिया की सबसे कमजोर करेंसी बन गया था। जनवरी 2026 में ही इसमें 2% की गिरावट दर्ज की गई थी।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FIIs) की लगातार निकासी ने रुपए पर दबाव बना रखा था। हालांकि, मंगलवार को ओपनिंग में रुपए ने वापसी करते हुए 91.49 के पिछले क्लोज के मुकाबले 129 पैसे की मजबूती दर्ज की।

यह 3 साल में सबसे बड़ी बढ़त, 2025 में सबसे कमजोर एशियाई करेंसी हो गया था

रुपए में आई इस तेजी के पीछे भारत और अमेरिका के बीच हुआ 'गिव एंड टेक' समझौता है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर बताया कि भारत अब रूस से तेल खरीदना बंद करेगा और इसके बदले अमेरिका व वेनेजुएला से तेल खरीदेगा। इसके अलावा, भारत ने अगले कुछ वर्षों में अमेरिका से 500 अरब डॉलर (करीब 45 लाख करोड़ रुपए) की एनर्जी, टेक्नोलॉजी और कृषि उत्पाद खरीदने की प्रतिबद्धता जताई है।

फास्ट न्यूज

विदेशी निवेशकों का डर होगा खत्म

मुंबई। अमेरिका-भारत ट्रेड डील ने भारतीय शेयर बाजार में उत्साह का सैलाब ला दिया है। निफ्टी और बैंक निफ्टी ने रिकॉर्ड छलांग लगाई, हालांकि भारी उतार-चढ़ाव और मुनाफा वसूली ने निवेशकों की धड़कनें भी बढ़ाई। इसके बावजूद, बाजार 2.5 फीसदी से ज्यादा की बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। सेंसेक्स 2072 अंक और निफ्टी 639 अंक चढ़कर बंद हुए। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 85,871 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

आरबीआई मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग आज से

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी (MPC) की मीटिंग आज यानी 4 फरवरी से शुरू हो रही है। यह मीटिंग 6 फरवरी तक चलेगी और इसी दिन इसमें लिए गए सभी फैसलों का ऐलान किया जाएगा।

एक्सपर्ट्स के अनुसार इस मीटिंग में ब्याज दरों में कटौती की कम ही उम्मीद है। इससे पहले दिसंबर में हुई मीटिंग में रेपो रेट में 0.25% की कटौती करके इसे 5.25% कर दिया था।

RBI ने फरवरी में हुई मीटिंग में ब्याज दरों को 6.5% से घटाकर 6.25% कर दिया था।

स्पेसएक्स और एक्सएआई का मर्जर

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे अमीर इंसान इलॉन मस्क ने अपनी रॉकेट बनाने वाली कंपनी स्पेसएक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्टार्टअप xAI का विलय कर दिया है। अब रॉकेट और सैटेलाइट बनाने वाली कंपनी AI चैटबॉट 'ग्रोक' बनाने वाली कंपनी के साथ मिलकर काम करेगी। इस अधिग्रहण के बाद स्पेसएक्स अब सिर्फ अंतरिक्ष और डिफेंस की ही नहीं, बल्कि दुनिया की सबसे ताकतवर AI कंपनियों में भी शामिल हो गई है।

पत्रकार समाज को देते हैं नई दिशा : बी त्रिपाठी

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। पत्रकार समाज को नई दिशा देते हैं परंतु समय-समय पर उन्हें सरकारी तंत्र की उपेक्षा का शिकार होना पड़ता है जिसके लिए एक मजबूत संगठन की आवश्यकता है। यह बात उत्तर प्रदेश जर्नलिस्ट काउंसिल आफ इंडिया की जिला स्तरीय कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए जेसीआई के अयोध्या मंडल अध्यक्ष बी त्रिपाठी ने कही उन्होंने कहा कि पत्रकारिता एक जोखिम भरा कार्य है जिसमें सबसे ज्यादा परेशानी उन पत्रकारों को होती है जो निष्पक्ष पत्रिका पत्रकारिता करते हैं इसलिए एक मजबूत संगठन की आवश्यकता है इस दौरान खिचड़ी भोज कार्यक्रम की समाप्ति के पश्चात बाराबंकी जिलाध्यक्ष मन बहादुर सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह, जिलाउपाध्यक्ष दिग्विजय सिंह, जिला महासचिव संतोष कुमार व जिला कोषाध्यक्ष उदय प्रकाश जैन मनोनीत किए गए।

जेसीआई संगठन का हुआ विस्तार जिला अध्यक्ष बने - मान बहादुर सिंह

अमेरिकी वॉरशिप के पास पहुंचा था, ईरान 1000 ड्रोन्स तैयार करने का दावा कर चुका

अमेरिका ने अरब सागर में ईरानी ड्रोन को मार गिराया

दुबई, एजेंसी

अमेरिका ने मंगलवार को अरब सागर में एक ईरानी ड्रोन को मार गिराया। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, ईरान का शाहेद-139 ड्रोन अमेरिकी नौसेना के 'USS अब्राहम लिंकन' एयरक्राफ्ट कैरियर (वॉरशिप) के पास पहुंच गया था। USS अब्राहम लिंकन अमेरिकी नौसेना का एक न्यूक्लियर-पावर्ड एयरक्राफ्ट कैरियर है। यह दुनिया के सबसे बड़े और सबसे ताकतवर वॉरशिप में से एक माना जाता है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के बयान के अनुसार, अमेरिकी नौसेना ने आत्मरक्षा में F-35C फाइटर जेट से ईरानी ड्रोन को मार गिराया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने इसे ईरान की तरफ से एक 'आक्रामक' व्यवहार बताया है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि ड्रोन किस मकसद से तैनात किया गया था। अमेरिका के अनुसार, ड्रोन ने कमांड की तरफ से किये गए नॉन-एस्केलेशन

USS अब्राहम लिंकन अमेरिकी नौसेना का एक न्यूक्लियर-पावर्ड एयरक्राफ्ट कैरियर है। यह दुनिया के सबसे बड़े और सबसे ताकतवर वॉरशिप में से एक माना जाता है।

ईरान पर हमले की धमकी दे चुके हैं ट्रम्प

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 28 जनवरी को ईरान से परमाणु कार्यक्रम पर समझौता करने को कहा था। ऐसा न करने पर उन्होंने चेतावनी दी थी कि ईरान पर अगला हमला पहले से कहीं ज्यादा खतरनाक होगा। ट्रम्प के मुताबिक, अमेरिकी जहाजों का एक बड़ा बेड़ा ईरान की ओर बढ़ रहा है और अगर समझौता नहीं हुआ तो बुरे हालात हो सकते हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने भी कहा है कि सेना राष्ट्रपति के किसी भी सैन्य आदेश के लिए तैयार है।

अमेरिका-ईरान में तनाव के बीच 6 फरवरी को अहम बैठक

यह घटना ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका-ईरान के बीच तनाव बढ़ा हुआ है और वार्ताओं को फिर से शुरू करने के प्रयास जारी हैं। दोनों देशों के बीच शुक्रवार को तुर्किये में महत्वपूर्ण बैठक होने की उम्मीद है। कई क्षेत्रीय अधिकारियों के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दूत स्टीव विटकॉफ, उनके दामाद और सलाहकार जेरेड कुशनेर और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची इस बैठक में शामिल होंगे। साथ ही तुर्किये, कतर और मिस्र के वरिष्ठ अधिकारियों के भी मौजूद रहने की संभावना है। कुछ सूत्रों के मुताबिक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, ओमान और पाकिस्तान जैसे अन्य देशों के प्रतिनिधि भी इसमें भाग ले सकते हैं।

डिफ्यूजन कोशिशों के बावजूद अपनी दिशा नहीं बदली। इसके चलते फोर्स का इस्तेमाल किया गया। इस घटना पर ईरान की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

रूस को ट्रम्प के दावे पर यकीन नहीं

कहा- भारत ने तेल खरीद रोकने पर कुछ नहीं कहा, हम ट्रम्प के बयान का मतलब समझ रहे

नई दिल्ली, एजेंसी

रूस ने मंगलवार को कहा कि भारत सरकार की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, जिसमें यह कहा गया हो कि भारत रूस से तेल की खरीद बंद करने जा रहा है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक क्रेमलिन के प्रवक्ता रूस के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि रूस, भारत को लेकर ट्रम्प की टिप्पणियों का विश्लेषण कर रहा है।

जब उनसे सीधे पूछा गया कि क्या भारत ने रूस से तेल खरीदना बंद करने का फैसला कर लिया है, तो उन्होंने कहा कि अब तक दिल्ली की तरफ से इस मुद्दे पर कोई बयान नहीं आया है। अब अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प कह रहे हैं कि भारत रूस से तेल आयात रोकने पर सहमत हो गया है। अगर भारत वाकई रूसी तेल का आयात पूरी तरह बंद कर देता है, तो भारत-रूस का कुल द्विपक्षीय व्यापार घटकर 20 अरब डॉलर से भी नीचे आ सकता है। भारत के पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने पिछले महीने कहा था कि रूस से कच्चे तेल के आयात में आगे भी गिरावट आने की संभावना है। पुरी ने ब्लूमबर्ग को दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि रूस से तेल खरीद में आई कमी की वजह किसी राजनीतिक या विदेशी दबाव की वजह से नहीं, बल्कि बाजार की परिस्थितियों का नतीजा है।

यूक्रेन जंग शुरू होने के बाद बढ़ी रूसी तेल की खरीद

फरवरी 2022 में रूस ने यूक्रेन पर सैन्य हमला किया था। इसके बाद दोनों देशों के बीच युद्ध शुरू हो गया, जो अब तक जारी है। इस युद्ध के कारण रूस पर अमेरिका और यूरोपीय देशों ने कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए, खासकर उसके तेल और गैस सेक्टर पर। इन प्रतिबंधों की वजह से रूस को अपना कच्चा तेल सस्ते दामों पर बेचने के लिए नए खरीदार ढूंढने पड़े। इसी दौरान भारत ने रूस से रियायती दरों पर तेल खरीदना शुरू किया। वित्त वर्ष 2024–25 में भारत और रूस का द्विपक्षीय व्यापार बढ़कर 68.7 अरब डॉलर तक पहुंच गया। लेकिन इसमें बड़ा हिस्सा कच्चे तेल का था। भारत ने अकेले 52.73 अरब डॉलर का कच्चा तेल रूस से खरीदा था।

ट्रम्प का दावा- भारत रूसी तेल खरीदना बंद करेगा

पेस्कोव का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोमवार को कहा था कि भारत ने अमेरिका के साथ हुए ट्रेड डील के तहत रूस से तेल खरीदना रोकने पर सहमति जताई है।

डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को घोषणा की थी कि अमेरिका और भारत के बीच एक व्यापार समझौता हुआ है। इसके तहत अमेरिका ने भारतीय सामान पर लगने वाला टैरिफ 50% से घटाकर 18% करने पर सहमति दी है। इसके बदले में ट्रम्प का दावा है कि भारत, रूस से तेल खरीदना बंद करेगा और व्यापार से जुड़ी रुकावटें भी कम करेगा। भारत ने उनकी इस घोषणा पर न तो स्वीकार किया है और न ही खारिज किया है।

सोना 1.58 लाख पर पहुंचा, दो दिन में 9,412 महंगा

चांदी 9,573 बढ़कर 2.74 लाख/किलो

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी के दाम में आज यानी 4 फरवरी को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, आज सर्राफा बाजार में 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 6,629 रुपए बढ़कर 1,58,158 रुपए हो गया है। इससे पहले ये 1,51,529 रुपए पर था। सोना दो दिन में 9412 रुपए महंगा हुआ है। चांदी की कीमत आज 9,573 रुपए बढ़कर 2,73,538 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई है। इससे पहले इसकी कीमत 2,63,965 रुपए थी। दो दिन में ये 14,038 रुपए बढ़ चुकी है। वहीं सर्राफा बाजार में सोने ने 29 जनवरी को 1,76,121 और चांदी ने 3,85,933 रुपए का हाई बनाया था। सोने-चांदी के दाम में लगातार दो दिन से बढ़त है। हालांकि इससे पहले 30 जनवरी,1 और 2 फरवरी को इनकी कीमत में गिरावट देखने को मिली थी। ये गिरावट मुनाफा वसूली के कारण आई थी। अब लोग वापस सोने-चांदी में खरीदारी कर रहे हैं। एक्सपर्ट्स के अनुसार बीते दो दिनों से पहले पिछले तीन कारोबारी सत्रों में सोना और चांदी की कीमतों में तेज गिरावट आई थी, जिसमें सोना करीब 15% तक नीचे आ गया था। लेकिन अब जैसे ही कीमतें स्थिर हुईं, निवेशक अब कम दामों पर खरीदारी कर रहे हैं। हालांकि अभी सोने-चांदी में एकमुश्त निवेश से बचना चाहिए और धीरे-धीरे निवेश करना चाहिए।

2 दिन में दाम में 14,038 का इजाफा

कार्रवाई : ट्रंप ने पिछले समर में रिकॉर्ड 43 दिनों के सरकारी शटडाउन का सामना किया था

ट्रंप ने स्पेंडिंग बिल पर किए साइन

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने मंगलवार को स्पेंडिंग बिल पर हस्ताक्षर किए। इससे चार दिनों से चल रहे आंशिक सरकारी शटडाउन का अंत हो गया। यह शटडाउन डेमोक्रेटिक पार्टी द्वारा उनकी व्यापक आव्रजन कार्रवाई को अंजाम देने वाली संघीय एजेंसी के लिए धन के विरोध के कारण शुरू हुआ था। यह कानून व्हाइट हाउस में ट्रंप की डेस्क पर तब पहुंचा, जब दिन में पहले रिपब्लिकन-कंट्रोल हाउस में यह 217-214 के मामूली अंतर से पास हुआ था। इक्कीस डेमोक्रेट्स ने फंडिंग पैकेज के लिए वोट देने में रिपब्लिकन का साथ दिया और उतने ही रिपब्लिकन ने डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (DHS) में सुधार के लिए डेमोक्रेटिक मांगों को मानने के बजाय इसका विरोध किया। सोमवार को डीएचएस सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम ने कहा कि शहर में फेडरल एजेंट तुरंत बॉडी कैमरे पहनेंगे और बाद में इस कदम को पूरे देश में फैलाया जाएगा।

अमेरिकी सरकार का खत्म हुआ शटडाउन

पास किया गया पैकेज

मिनियापोलिस में फेडरल एजेंटों द्वारा दो अमेरिकी नागरिकों की हत्या के बाद डीएचएस के लिए नए फंड पर बातचीत टूट गई। मिनियापोलिस मिनेसोटा का वह शहर है जो रिपब्लिकन राष्ट्रपति की इमिग्रेशन पर सख्ती का केंद्र बन गया है।

शुक्रवार को सीनेट ने एक पैकेज पास किया, जिसमें सितंबर तक ज्यादातर फेडरल एजेंसियों को कवर करने के लिए पांच बकाया फंडिंग बिल पास किए गए। साथ ही डीएचएस को चालू रखने के लिए दो हफ्ते का एक अंतरिम उपाय भी किया गया, जब तक कि सांसद इमिग्रेशन लागू करने की पॉलिसी पर बातचीत कर रहे हैं।

> ट्रंप ने पिछले समर में रिकॉर्ड 43 दिनों के सरकारी शटडाउन का सामना किया था। रिपब्लिकन पर खर्च बिल पास करने और शनिवार को शुरू हुए शटडाउन को खत्म करने के लिए दबाव डाल रहे थे। उन्होंने व्हाइट हाउस में साइनिंग सेरेमनी में कहा, "यह बिल अमेरिकी लोगों के लिए एक बड़ी जीत है।"

अमेरिका में एंटी-आईसीई प्रोटेस्ट जारी

प्रदर्शनकारी को आंख में मारी कम घातक गोली

नई दिल्ली, एजेंसी

शनिवार को लॉस एंजिल्स के डाउनटाउन में ICE ऑपरेशंस के खिलाफ एक प्रदर्शन के दौरान एक प्रदर्शनकारी को कम नुकसान पहुंचाने वाली गोली आंख में लगी। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में एक व्यक्ति को आंख में गोली लगने के बाद उसको मदद दी जा रही है। उसके चेहरे के एक तरफ चमकीला हरा रंग लगा हुआ दिख रहा है। लॉस एंजिल्स पुलिस विभाग ने तितर-बितर होने का आदेश जारी किया और डाउनटाउन में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हिंसक होने के बाद उसे गैर-कानूनी जमावड़ा घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि कुछ लोगों ने पुलिस अधिकारियों पर पानी की बोतलें और दूसरी चीजें फेंकीं। पुलिस ने कहा कि वीकेंड में हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान 50 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया, जो शुक्रवार की ICE आउट रैली का ही हिस्सा थे। ये गिरफ्तारियां एक ऑफिसर पर जानलेवा हथियार से हमला, मारपीट, तोड़फोड़ और भीड़ न हटाने जैसे आरोपों में की गईं। 13 जनवरी को सांता एना में एक फेडरल बिल्डिंग के बाहर झड़प के दौरान कम घातक गोला-बारूद से चेहरे पर गोली लगने से एक और प्रदर्शनकारी गंभीर रूप से घायल हो गया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह डेमोक्रेटिक शहरों में तब तक फेडरल लॉ एनफोर्समेंट नहीं भेजेंगे, जब तक वे मदद के लिए रिक्वेस्ट नहीं करते।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96